



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 35] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 30, 1980 (भाद्रपद 8, 1902)

No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 30, 1980 (BHADRA 8, 1902)

इस भाग में छिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निष्पत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० ए० 12019/1/79-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक श्री के० सुन्दरम, को 30-6-1980 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हों, स्थानान्तरण, प्रतिनियुक्ति पर अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अध्यक्ष के विशेष सहायक के संवर्ग वाले पद पर श्री के० सुन्दरम प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय समय पर संशोधित का० शा० सं० एफ० 10(24)-ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961 में सन्निहित उप-बंधों के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,

अवर सचिव

हृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

#### यह नृसंकेत

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० ए-19021/1/79-प्रशा०-5—श्री एम० तुमसंगा, भारतीय पुलिस सेवा (1969-वर्षिक बंगाल) ने दिनांक 2-6-80 के पूर्वाह्न में पुलिस अधीक्षक, सहायक निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गईं।

श्री० ला० गोवर

प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

#### महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय प्रौद्योगिकी सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—विशाखापत्तनम से स्थानान्तरित होने पर श्री के० एल० लुके ने 11 जुलाई, 1980

के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, सी० पी० टी० कोचीन के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—दुर्गापुर को स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एम० प्रसाद ने 19 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एफ० सी० आई० (एफ० एस० डी०), डिगाबाद के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—कोचीन से स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० बालाकृष्णन पिल्लै ने श्री के० आर० सी० नायर के स्थान पर 9 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, फ्लैट, उद्योग मण्डल के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया तथा श्री नायर ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—कलकत्ता को स्थानान्तरित होने पर श्री बी० लूइस राज ने 21 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एम० ए० पी० पी०, कलकत्ता के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/8/80-कामिक—राउरकेला को स्थानान्तरित होने पर श्री एन० के० सेन ने 16 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० आई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/80-कामिक—तदर्थ आधार पर लेखाधिकारी नियुक्त होने पर, श्री अर० एस० नेगी ने 24 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—फरक्का से स्थानान्तरित होने पर श्री एस० बी० चौधरी ने 12 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० एफ० पी० डी० आई० एल० मिन्द्री के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—सुली (नागालैण्ड) से स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एस० बोस ने 17 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय कलकत्ता, के सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर श्री एच० वी० चतुर्वेदी ने 16 जुलाई, 1980 से पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व (उ० व प० क्षेत्र) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—पारादीप को स्थानान्तरित होने पर श्री यू० पी० बेहरा ने 12 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—मद्रास को स्थानान्तरित होने पर श्री ए० के० सेनगुप्ता ने 15 जुलाई, 1980

के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—राउरकेला को स्थानान्तरित होने पर श्री बाई० पी० जोगेवार ने 14 जुलाई, 1980, के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एस० पी० एम० होशंगाबाद, के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ई-38013(3)/9/80-कामिक—सिन्दरी में स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० बी० चौधरी ने दिनांक 2 जुलाई, 1980 के अपराह्न से एफ० बी० पी० फरक्का के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह० अपठनीय  
महानिरीक्षक  
के० श्री० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० 11/126/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, असम सिविल सेवा के अधिकारी श्री भोला नाथ शर्मा को असम, गोहाटी में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 2 जुलाई, 1980 के अपराह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जन गणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा का मुख्यालय गोहाटी में होगा।

सं० 11/11/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० सरकार को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय, में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सरकार का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 11/11/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० घोष को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 9 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री घोष का मुख्यालय हावड़ा में होगा।

सं० 11/11/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री बी० एन० अश्वर्ती को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति

पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेश जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती का मुख्यालय बर्दवान में होगा।

सं० 11/29/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, उड़ीसा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री नरेश चन्द्र दत्त को उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 9 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेश जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दत्त का मुख्यालय कटक में होगा।

सं० 11/53/80-प्रशा०-1—तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री टी० वी० श्रीनिवासन ने तमिलनाडु में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से उप जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. राष्ट्रपति, तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में उप सचिव के पद पर कार्यरत श्री टी० वी० श्रीनिवासन को, तमिलनाडु मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदेन क्षमता में उप जनगणना कार्य निदेशक के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. श्री श्रीनिवासन का मुख्यालय मद्रास में होगा।

सं० 11/53/80-प्रशा०-1—तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री ए० पी० मुथुस्वामी, ने, तमिलनाडु में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. राष्ट्रपति, तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत श्री ए० पी० मुथुस्वामी को, तमिलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदेन क्षमता में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. श्री मुथुस्वामी का मुख्यालय मद्रास में होगा।

दिनांक 6 अगस्त 1980

सं० 11/56/80-प्रशा०-1—आंध्र प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग में संयुक्त सचिव (जनगणना) के

पद पर नियुक्ति के परिणाम स्वरूप श्री एस० एस० जयाराव ने, आंध्र प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 23 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग में संयुक्त सचिव (जनगणना) के पद पर कार्यरत श्री एस० एस० जयाराव को, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 23 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, पदेन क्षमता में, जनगणना कार्य निदेशक के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. श्री जयाराव का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

सं० 11/124/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, सिक्किम सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकीय ब्यूरो में उप निदेशक के पद पर कार्यरत श्री एम० आर० सूद को सिक्किम, गंगटोक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदेन उप जनगणना कार्य निदेशक के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सूद का मुख्यालय गंगटोक में होगा।

तारीख 8 अगस्त 1980

सं० पी०/पी०(35)-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय के तारीख 22 अप्रैल, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय के हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पन्त की नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 31 दिसम्बर, 1980 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, विद्यमान शर्तों के अनुसार सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/125/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के अधिकारी श्री एल० के० चतुर्वेदी को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 19 मई, 1980 के अपराह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय उदयपुर में होगा।

3. यह अधिसूचना इस कार्यालय की तारीख 17 जून, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना को अधिक्रान्त करके जारी की जाती है।

सं० 11/125/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के अधिकारी श्री एन० के० भार्गव को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 13 मई,

1980 के पूर्वार्द्ध से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जतरणसा कार्य के पद पर सहर्ष निवृत्त करते हैं।

2. श्री भार्गव का मुख्यालय अजमेर में होगा।

3. इस कार्यालय के अगस्त 27 मई, 1980 के सम-संयक्त की अधिसूचना को रद्द किया जाता है।

पी० लक्ष्मण  
भारत के महालेखाकार

भारतीय लेखा पत्रिका तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1980

सं० प्रशा०—I/8-132/80-81/189—श्री एस० ए० एम० नक्वी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-7-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० /8-132/80-81/189—श्री वि० यन० वेंकट वेंकटसुब्रह्मण्यम, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-5-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/189—श्री वी० एन० वेंकट सुब्रह्मण्यम, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-7-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/189—श्री के० एस० सुब्रह्मण्यम लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-7-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/189—श्री वि० कृष्णा राव, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-7-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/189—श्री के० वि० एन० अवधानि, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-7-1980 अपराह्न।

एन० सुकुमारन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 23 अप्रैल, 1980

सं० एल० ए०/ प्रशा०/11—मूल नियम 31(1) के नीचे "अगला-निचला" कानून के अनुसार विहित प्रोन्नति सम्पन्न पूर्व-शर्तों पूरी होने पर भी तुलसी चरण बैनर्जी को जोकि इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी

हैं और इस समय प० बंगाल सरकार के शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति पर हैं, उनके मूल कार्यालय में 1-4-80 के पूर्वाह्न से, जिस दिन से उनके ठीक कनिष्ठ श्री उषारंजन ठाकुर अपना कार्यभार संभालते हैं, अगले आदेश तक स्थाना-पन्न सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, के पद पर तदर्थ तथा अस्थाई रूप से रु० 840-40-1000 यो० वा०-1200 के वेतन क्रम पर विहित प्रोन्नति मंजूर की जाती है।

यह साफ तौर पर समझ लेनी चाहिए कि यह प्रोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमे में विनिर्णय की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरुद्ध किये गये 1979 के सी० आर० केस नं० 148 1व (डब्ल्यू) के अंतिम फैसले के अधीन है।

दिनांक 9 जून, 1980

सं० एल० ए० 602—महालेखाकार-द्वितीय, पश्चिम बंगाल, निम्नलिखित स्थाई और स्थानापन्न अनुभाग अधिकारियों को तदर्थ और अन्तिम रूप से सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा पश्चिम बंगाल के पद पर बिल्कुल अस्थाई रूप से 9-8-80 पूर्वाह्न यह कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त करते हैं।

1. श्री सत्यव्रत घट्ट
2. श्री विभूति भूषण दास (1)
3. श्री मन्मथ नाथ मंडल (प० जा०)

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रोन्नति कलकत्ता उच्चतम न्यायालय के एक मुकदमे में विनिर्णय की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थाई रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरुद्ध दायर किये गये 1979 के सी० आर० केस नं० 14818 (एन) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

उल्लिखित सभी तदर्थ प्रोन्नतियां भारत के उच्चतम न्यायालय की 1973 के सिविल अपील सं० 1584 और 1979 के सिविल अपील सं० 2104-2105 (एन) के अन्तिम आदेश पर निर्भरशील है।

बी० एन० दत्त चौधुरी  
स्थानीय लेखा परीक्षक

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त, 1980

सं० 15/22/79—स्थापना—महानिदेशक ने श्री एन० रवीन्द्रनाथन को इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान



केन्द्र महानिदेशालय में, उत्पादिका अधिकारी (सांख्यिकीय) के पद पर दिनांक 15 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थायी रूप में नियुक्त करता है।

अ० एस० एस० रामस्वामी  
उप महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो  
नागपुर, दिनांक 8 अगस्त 1980

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/873/69-प्रशा०(राज०)/4817—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री एम० एम० सोलंकी नियंत्रक, आयात-निर्यात को 10-6-1980 (बोपहर पूर्व) से स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई थी।

पी० सी० भटनागर  
उप-मुख्य नियंत्रक  
आयात निर्यात

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1980

शुद्धि-पत्र

सं० ए०-32013/2/80—व्यवस्था अनुभाग (क)—श्री वी० कृष्णस्वामी आर्यंगर की बुनकर सेवा केन्द्र मद्रास में निदेशक (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्ति के संबंध में इस कार्यालय की अधिवृत्ता सं० ए०-32013/2/80—व्यवस्था अनुभाग II (क) दिनांक 28 जून, 1980 की दूसरी पंक्ति में “7 जून 1980 पूर्वाह्न” को “7 जून 1980 अपराह्न” पढ़ा जाए।

दिनांक 1 अगस्त 1980

सं० ए० 12025(1)/2/80—व्यवस्था अनुभाग (क)—राष्ट्रपति, श्री डोनीपल्ली जयरमैया को 19 मई 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, सेलम में वरिष्ठ प्राध्यापक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एन० पी० शेवारी  
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

सं० ए० 19012/(128)80—स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एच० बी० नागराज स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन इंजीनियरिंग) को दिनांक 10 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग “ब” के पद पर स्थानापन्न सहायक खनन अभियंता के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एस० वी० अली  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 4 अगस्त 1980

सं० सी०-5646/579-ए०—निम्नलिखित अधिकारी, जो सहायक भंडार अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप “बी”) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये गये थे, अब 6 अप्रैल, 1980 से अपने पदों पर स्थायी किये जाते हैं :—

1. श्री वी० वी० नरला
2. श्री नारायण पुनिया कोटी
3. श्री महेन्द्र सिंह
4. श्री सांवलिया सहाय
5. श्री टी० आर० सी० रेड्डी
6. श्री सी० एल० कनोजी
7. श्री रवेल सिंह
8. श्री जे० आर० ग्रोवर
9. श्री पुष्कर सिंह

दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० सी० 5647/718-ए०—श्री एम० राजू, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय 26 मई, 1980 (अपराह्न) से दक्षिण पूर्वी सफिल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भुवनेश्वर में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप “बी०”) के पद पर 840-40-1000-द० री०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

सं० सी० 5648/718-ए०—श्री ए० बी० सरकार, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय (इस समय

मैप क्यूरेटर के पद पर प्रतिनियुक्त) 13 जून, 1980 (अपराह्न) से श्री राम लाल, स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो छट्टी पर गये हैं, के स्थान पर, पूर्वी सकल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सां. सिं. सेवा ग्रुप "बी०") के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

के० एल० खोसला  
मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षण

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० ए० 12026/4/77-सीबन्दी-3—श्री एम० एम० वैद्य ने जो इण्डो अफगानिस्तान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम 1975-76 के अनुसार अफगानिस्तान में एक्सपर्ट सिनेमॉ-टोग्राफर के पद पर डेप्युटेशन पर गये थे, दिनांक 14-7-80 के पूर्वाह्न से मुख्य कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई के पद का कार्यभार लेने के कारण श्री बी० खोसला, उसी दिनांक से स्थायी कैमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

नरेन्द्र नाथ शर्मा  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/23/79(एन० एम० ई० पी०)/प्रशा०-I—राष्ट्रपति ने श्री के० एच० कनौनिया को 31 मार्च, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय में सहायक निदेशक (कोट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19020/23/76 (जे०आई० पी०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती निर्मला वेन्कटेश्वरन वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक, जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी का त्यागपत्र 29 मार्च, 1980 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/30/76-जिप/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री जी० रामलिंगम को जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में सांख्यिकीय एवं जनसंख्या विज्ञान के लेक्चरर के पद पर 26 मार्च, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 33-12/75-प्रशासन-I—फिजियोथेरापिस्ट के पद पर अपना परिवर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्रीमती एस० मेहरोत्रा ने 27 मार्च, 1979 अपराह्न से सफवरजंग अस्पताल, नई दिल्ली से वरिष्ठ फिजियोथेरापिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

संगत सिंह  
उप निदेशक प्रशासन

### ग्रामीण पुर्णनिर्माण मंत्रालय

लिपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए० 19025/20/80 प्रशा-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री कमल चक्रवर्ती को इस निदेशालय के अधीन कलकत्ता में तारीख 26-6-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनहार  
निदेशक प्रशासन

कृते कृषि विपणन सलाहकार

### परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 23/4/79-इस्टे/13348—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री डी० वायू गिन्नू को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के स्थायी क्रय सहायक शंकर गोपाल जामसंडेकर को स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी पद पर पये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 21-6-80 अपराह्न से 19-7-80 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० बी० गोपालकृष्णन  
सहायक कामिक अधिकारी

### नाभिकीय ईंधन समिश्च

हैदराबाद-500762, दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० ना ई स/का प्र भ/0704/5335—अधिसूचना सं० ना ई स/का प्र भ/0704/4515 दिनांक 30-6-1980 के क्रम में नाभिकीय ईंधन समिश्च के मुख्य कार्यपालक ने अस्थायी औद्योगिक प्रवर्ण श्रेणी लिपिक श्री पी० राजगोपालन का नाभिकीय ईंधन समिश्च में दिनांक 10-7-1980 से 10-8-1980 पर्यंत अथवा अगले आदेशों तक के लिए जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न सहायक कामिकाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

प० श्री रा० मूर्ति  
प्रशासनिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

कोटा, दिनांक 4 अगस्त 1980

सं० राप्रविध/09002/जी/(855)/80/स्थ/110—मुख्य परियोजना इंजीनियर राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना, श्री एस० नागराजन, स्थाई वैज्ञानिक सहायक "सी" और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड-एस बी० का त्यागपत्र 5 जुलाई, 1980 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)  
वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० प ख प्र-8(6)/80-भर्ती—इस कार्यालय की तारीख 27 मई, 1980 की सभसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के हिन्दी अनुवादक श्री सोमनाथ सघदेव को उसी प्रभाग में श्री मुकुन्द सिंह, सहायक कार्मिक अधिकारी जिनको अपनी छुट्टी बटाने की अनुमति दी गई है, के स्थान पर तारीख 14-6-1980 से लेकर 7-7-1980 (अपराह्न) तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 8 मई 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/3/2/(4)/80-आर—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग तारापुर परमाणु बिजली घर में अस्थायी प्रबन्धक (हास्टल) श्री एन० जी० मलकानी को दिनांक 1 मार्च, 1977 से तारापुर परमाणु बिजलीघर में प्रबन्धक (हास्टल) के स्थायी पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में मूल क्षमता से नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाकम, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/3357/80-8850—आंध्र प्रदेश के महालेखापाल के कार्यालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा विदेश मंत्रालय के लेखा नियंत्रक के कार्यालय के स्थानापन्न कनिष्ठ लेखा अधिकारी, श्री साम्बशिवन गुरुस्वामी के एतद्वारा कलपाकम स्थित रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में 16 अप्रैल,

1980 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश होने तक के लिए प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

एस० पद्मनाभन  
प्रशासन-अधिकारी  
कृते परियोजना निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1980

सं० ए०-12025/7/79-ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर, राष्ट्रपति ने श्री सुभाष चन्द्र को दिनांक 10-7-1980 (पूर्वार्द्ध) से अन्य आदेश होने तक, स्थानापन्न तौर पर सहायक निदेशक विमान सुरक्षा (इंजी०)/वरिष्ठ विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजी०) के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन, राम कृष्णपुरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए०-32013/13/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री पी० के० बी० नायर, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 11-7-80 (पूर्वार्द्ध) से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 39012/1/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी के श्री एच० के० दीक्षित, संचार अधिकारी का त्याग पत्र दिनांक 9-2-80 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/2/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में दिनांक 22-7-80 (पूर्वार्द्ध) से तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें अन्य आदेश होने तक निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है :—

- 1 श्री ए० विमालिगम्
- 2 श्री यू० एन० महालिक

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री एम० बी० राजन, संचार सहायक को दिनांक 25-7-80 (पूर्वार्द्ध) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें इसी स्टेशन पर तैनात किया गया है।

आर० एन० दास  
सहायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

इन्दौर, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 10/1980—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधीक्षक समूह (ख) के पद पर पदोन्नत होने पर श्री जी० सी० सिंघई, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (च० श्रे०) ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कार्यालय इन्दौर में 9 जुलाई 1980 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (स्वर्ण) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 13/80—संघ लोक सेवा आयोग के पत्र सं० एफ-1/2/79-आर० डी० दिनांक 28-9-79 द्वारा की गई अनुशंसा तथा हमारे स्थापना आदेश सं० 68/80 [प० सं० II (31) 6-गोप/79 दिनांक 7-5-80] के अनुसार श्री जगदीश प्रसाद ममन ने मुख्यालय कार्यालय इन्दौर में दिनांक 30-7-80 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' (कागज तकनीकी) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एस० के० धर,  
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० 2/80—संघ लोक सेवा आयोग के चयन तथा सिफारिश के अनुसार श्री के० सी० अग्रवाल, सहायक फोरमैन, आबुध उपस्करण निर्माणी, कानपुर की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्ति करने पर उन्होंने इस समाहर्तालय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर के अन्तर्गत अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) नागपुर के कार्यालय में दिनांक 16 जून 1980 पूर्वाह्न में पदभार ग्रहण किया।

सं० 3/80—संघ लोक सेवा आयोग के चयन तथा सिफारिश के अनुसार श्री ए० के० पाटनी, फोरमैन, अभियांत्रिकी उपस्करण निरीक्षणालय, (पश्चिम प्रक्षेत्र) बम्बई, की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्ति करने पर उन्होंने इस समाहर्तालय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-I,

नागपुर के अन्तर्गत अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) नागपुर के कार्यालय में दिनांक 20 जून 1980 पूर्वाह्न में पदभार ग्रहण किया।

के० शंकररामन,  
समाहर्ता

प्रकाशन निदेशालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 2/80—श्री पी० भार० इस्वीवर, अधीक्षक, राजपत्रित ग्रुप "ख", केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, शिलांग को दिनांक 21-6-1980 के पूर्वाह्न से प्रकाशन निदेशालय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, नई दिल्ली में तदर्थ रूप से निरीक्षण अधिकारी राजपत्रित ग्रुप "ख" नियुक्त किया जाता है।

सं० 3/80—श्री सत्य पाल बाहरी, कार्यालय अधीक्षक, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली को दिनांक 14-7-1980 पूर्वाह्न से प्रकाशन निदेशालय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, नई दिल्ली में तदर्थ रूप से सहायक निदेशक (फार्म तथा प्रकाशक) नियुक्त किया जाता है।

लज्जा राम  
निदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और बोर्डेन कारपेटे कम्पनी प्रा० लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 7560/1417 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बोर्डेन कारपेटे कम्पनी प्राइवेट लि० का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

श्री० पी० चड्ढा  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,  
यू० पी०, कानपुर

प्रकरण धार्यो टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1980

निदेश सं० 21/दिसम्बर/79—अतः मुझे ओ० आनन्दास  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सखम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे नं० 79/1 सी सेलम रोड है, जो  
कैलासमपालयमपट्टी तिरुचेंगोडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय तिरुचेंगोडा (डाक नं० 2004/79) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक दिसम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रत्यक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष में कमो  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया  
गया था या फिरा जाना चाहिये या ठिकाने में ठिकाना  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माति :—

2—216G1/80

1. श्री के० अमिरननिगम,

(अन्तरक)

2. श्री ए० पेरिममामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समंघी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाईस्तधरा  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2004/79 एस० आर० ओ० तिरुचेंगोड नं  
भूमि और रैर मिल निर्माण सं० नं० 79/1 सी, सेलम रोड,  
कैलासमपालयमपट्टी, तिरुचेंगोड।

ओ० आनन्दास,  
सखम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 26-7-1980

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एन०—

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रमाण सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-IV/कल/1979-80—यतः

मुझे के० सिन्हा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसरु पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करना ता हरण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 218 है, तथा जो राम धन रोड, सालकिया, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 नवम्बर, 1979 को

(बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का मूल्य प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के अन्त में वास्तविक रूप से लिया नहीं जाया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बावना उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उबने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या हिस्से या या अन्य भागियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मनिसा चाटर्जी

(अन्तरक)

2. डा० डि० प्रसाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के विषय कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्वद्वितीय अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रहृताक्षरी के पास लिखित में लिख आ सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-5 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

218 राम धन रोड, सालकिया, हावड़ा में 4 कट्टा, 4 छटांक, जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3299 में और पूर्ण रूप से वर्णित है :

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज IV, कलकत्ता  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 18-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री विजराज गिरिमा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री हनुमानमल गिरिमा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निर्देश सं० ए० सी० 22/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः  
मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 99 है, तथा जो सेवक रोड, थिलिगुरि में  
स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थिलिगुरि में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 26-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

99 सेवक रोड थिलिगुरि में तिन तल्ला मकान का सब कुछ  
जैसे 1979 का दलिल सं० 5617 में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 8-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी०-23/रेंज/IV/कल०/1980-81—यतः  
मुझे के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सि० एस० प्लॉट सं० 3012, 3013, 3002  
है तथा जो आसानसोल में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय आसानसोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-1979  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मी चाटार्जी

(अन्तरक)

2. कुमारी भारती मुखर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आसानसोल सि० आई० टि० अफिस के पास 5 काठा  
14 छटाक 35 स्क्वायर फुट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का  
दलिल सं० 5944 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 8-7-1980

मोहर :



प्रकरण आई. टी. एम. एस.—

1. श्री राखा गुदजीत

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री मलिना सरकार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई, 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० ए० सी०-24/रेंज-4/कल/1980-81—यतः

मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 351 है, तथा जो सब ब्लॉक-1,  
ब्लॉक-बी, कल्याण नदीया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए परचिन की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिफल प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक ने हुई किसी धन की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल में कमी  
करने या उससे बचने में बुद्धि के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुद्धि  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 351, साब ब्लॉक-I, ब्लॉक-बी, कल्याण में  
8 कट्टा, जमीन पर मकान सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं०  
5995 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज कलकत्ता।

तारीख 8-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० सी०-25/एसीक्यू/रेंज-IV/कल/

1980-81—यतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 77 है, तथा जो सेलिमपुर लेन, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण का मत है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तत्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित द्वारा से उक्त धारा में लिखित में वास्तविक रूप से लब्ध हो चुका है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी राशि का भाग, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एतत् कक्षा प्रायः या किसी धन या अन्य वास्तुओं को निम्नलिखित अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या धा किया जाना चाहिए या, विपक्ष में सुनिश्चि के लिए।

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र कुमार वास ।

(अन्तरक)

2. श्री अनली मजूमदार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

उक्त अधिनियम के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोस्तावकीय या पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वतंत्रता — इनमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-अ के अधिनियमित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

77 सेलिमपुर लेन, कस्बा, 24-परगना में 2 कट्टा, 3 छटाक, 10 स्ववायर फुट जमीन पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दमिल सं० 6083 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 8-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० सी०-26/एसीक्यू/रेंज-VI/कल/1980-

81—यतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पर विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अंतिम मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मैत्रा सं० 128, 129 है, तथा जो सांकरेल, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इसाक मेकवाल, कुयन मेकवाल, साइकी मेकवाल, हासिम मेकवाल, के० ई० जे० मेकवाल, बाहार मेकवाला (अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार दत्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी० एम० सांकरेल हावड़ा, में 0.14 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3292 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 30-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं० ए० सी० 38/एसीक्यू० आर०-IV/कल/80-81

—यतः मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया लेन, जि० हावड़ा में  
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
28-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. निरू सेन्दल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुणीला देवी आगरवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40 जया बिबि लेन, धाना बालि जिला हावड़ा, में 5 का०  
4छ. 16 स्को० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल  
सं० 10084 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 37/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः

मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया त्रिबि लेन, हावड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—216 GI/80

1. मैसर्स नियु सेट्टल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. भिनोद कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40, जया त्रिबि लेन, थाना बानि जिना हावड़ा में 5 कट्टा  
116.6 स्क्वा० फिट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का  
दलिल सं० 10082 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 1 अगस्त, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 38/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः  
मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया बिबि लेन, हावड़ा में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 28-11-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नियू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. रोजि गोयल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

40, जया बिबि लेन घाना बालि जिला हावड़ा में 5 का०  
116.16 स्को० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का  
दलिल सं० 10090 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-VI, कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० 39/रेंज-IV/कल०/1980-81--यतः,  
मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया ब्रिबि लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०।

(अन्तरक)

2. कुमारी रेखा जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

40, जया ब्रिबि लेन थाना बालि, जिला हावड़ा में 5 क० 4 छ० 16 स्क्वा० फी० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10081 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी सपना अग्रवाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी०-40/रेंज-IV/कल०/1980-81—यतः,  
मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107 है तथा जो जया त्रिबि लेन, हावड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
28-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

107, जया त्रिबि लेन, धाना बालि, जिला हावड़ा में 5 का०  
5 छ० 22 स्क्वा० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का  
वलिद सं० 10083 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० 41/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः

मुझे के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 107 है, तथा जो जया बिबि लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पास गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नियु सेन्द्रल जूट मि० कं० लि०

(अन्तरक)

2. कुमारी पि० के० जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

सहोदरगः—इसमें ग्युनन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107, जया बिबि लेन थाना बालि जिला हावड़ा में 5 का० 5 छ० 22 स्कवा० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का बलिल सं० 10086 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीखः 1-8-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० 42/रेंज-IV/कल/1980-81---यतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 107 है, तथा जो जया बिबि लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल क० लि० ।

(अन्तरक)

2. अर्जित कुमार जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जासे करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

107 जया बिबि लेन, बालि, हावड़ा में 8 कट्टा 5 छटांक जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10085 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV/ कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० 43/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः  
मुख्य के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 107, तथा जो जिया बिबि लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ऋण की वाकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तिपों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स न्यू सेन्दल जूट मिल कं० लि० ।

(अन्तरक)

2. कुमारी निसा गोयल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अछोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

107, जया बिबि लेन, हावड़ा में 5 काठा, 5 छटाक 22 स्क्वायर फिट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10088 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 44/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः

मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107 है तथा जो जया बिबि लेन, जिला हाबड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाबड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. कुमारी रवि गोयल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107, जया बिबि लेन थाना बालि, जिला हाबड़ा में 5 का० 9 छ० 15स्क० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10089 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 1-8-1980

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स नियू सेन्ट्रल जूट मिल कम्पनी लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री संजय गोयल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी०-45/रेंज-4/कल/1980-81--यतः

मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107 है, तथा जो जया बिबि लेन, बालि, हाबड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

107, जया बिबि लेन, थाना बालि, जिला हाबड़ा, में 6 का० 10 छ० 18 स्को० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10091 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV, 54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

4-206GI/80

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निदेश सं० जी० आर० जी०/22/79-80—अतः, मुझे,  
गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 100 आर, न्यू कालोनी है तथा जो  
गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्रीमती भगवत्ती देवी विधवा  
श्री रामगोपाल पुत्र श्री मोहन लाल,  
निवासी न्यू कालोनी, गुडगांव ।

(अन्तरक)

2. श्री हरी प्रसाद सेनी पुत्र श्री कंवर सेन सेनी,  
निवासी ई-414, देव नगर, देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 100-आर, न्यू कालोनी, गुडगांव तथा  
जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक 3310 दिनांक 28-11-1979 में दिया गया  
है ।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 6-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निदेश सं० पी० एन० पी०/27/79-80—अतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि रकबा 4 बीघा 1/3 बिस्वा है तथा जो तरफ हस्तार, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री तुलसी दास,  
निवासी मकान नं० 72, माडल टाउन,  
पानीपत ।

(अन्तरक)

2. मै० नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि० बम्बई  
मार्फत, श्री सत्यदेव पुत्र श्री शानुलाल नारंग,  
मैनेजिंग डायरेक्टर,  
7, गोल मार्केट, माडल टाउन, पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 1/3 बिस्वा जोकि तरफ हस्तार, पानीपत में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3402 दिनांक 12-11-1979 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 6-8-1980

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेश सं० पीएनपी/28/79-80—अतः, मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 4 बीघा 1/3 बिसवा तरफ इन्तार है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 79 का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आनन्द कुमार पुत्र श्री तुलसी दास  
मकान नं० 72, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि० बम्बई  
मार्फत श्री सत्य देव नारंग, पुत्र श्री शानुलाल नारंग  
मैनेजिंग डाइरेक्टर,  
7 गोल मार्केट, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति भूमि 4 बीघा 1/3 बिसवा जोकि तरफ इन्तार, पानीपत में स्थित है जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3403 दिनांक 12-11-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 6-8-1980  
मोहर :



प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

1. श्री कर्म नारायण पुत्र श्री तुनसी दास  
माडल टाऊन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. मेसर्स नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि० बम्बई,  
मार्फत : श्री सत्यदेव नारंग पत्र श्री गानुराम नारंग  
बम्बई हाल 7 गोल मार्केट, माडल टाऊन, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 1/3 बिसवा जोकि तरफ हन्सार  
पानीपत में स्थित है जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3404 दिनांक 12-11-79  
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 6-8-1980  
मोहर :

निवेश सं० पी० एन० पी०/29/79-80—अतः मुझे, गो० सि०  
गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि रकबा 4 बीघा 1/3 बिसवा तरफ  
हन्सार, पानीपत है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई इसी आय को बाबत, उक्त  
अन्तरण के नवीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में  
भी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्थियों को  
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निदेश सं० पी० एन० पी०/30/79-80—यतः मुझे, गो०

सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि रकबा 4 बीघा 1/3 बिसबा तारफ  
इन्सार है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या छूट बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री तुलसी राम भाटिया  
मकान नं० 72, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. मैसर्स नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि०

मार्फत : श्री सत्य देव नारंग, पुत्र श्री शानु राम  
हाल 7 गोल मार्केट, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 1/3 बिस्वा जोकि तारफ इन्सार  
पानीपत में स्थित है और जिसका और विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3405 दिनांक 14-11-79  
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 6-8-1980  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० 998-डी०सी०क्यू०-23-I/79-80—

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 382, प्लॉट नं० 19, है तथा जो गोंडल रोड, पी० डी० एम० कालेज, के सामने राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीति:—

1. श्री विश्रामभाई, लवजीभाई भडेशीआ,  
अनील इन्जीनियरिंग वर्क्स के सामने,  
गोंडल रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री मनहरलाल मगनलाल शाह,  
C/o हरेन ब्रावर्स,  
डेबर रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान एस० नं० 382, प्लॉट नं० 19 है, जो गोंडल रोड, पी० डी० एम० कालेज के सामने, राजकोट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 3993 से दिनांक 10-12-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 21-4-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1065-एकत्री०/23-I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 55 प्लॉट नं० 28-ए, है तथा जो गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमृत लाल, भानुलाल कोठारी,  
32, आर्मेनीयन स्ट्रीट, कलकत्ता-1

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र ईश्वरलाल भ्रजमेरा  
भ्रजमेरा कोर्पोरेशन,  
पी० एन० बी० हाउस, फिरोजशाह सहेला रोड,  
बम्बई-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

980 वर्ग गज खुली जमीन जो एस० नं० 53, प्लॉट नं० 28-ए, से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है ये जमीन रजिस्ट्री नं० 7186 से तारीख 13-12-1979 को रजिस्ट्री की गई है और बिक्री खत में संपूर्णतः वर्णित की गई है।

एस० एन० मान्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबादतारीख 26-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सर्वश्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1066 एक्वी 23-I/80-81

प्रतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रतीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 53, प्लॉट नं० 28-ग, है तथा जो गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-1979

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में तथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीतः—

S-216 GI/80

1. (1) जयकर हरिलाल कोठारी

(2) कीर्ति हरिलाल कोठारी

(3) राजेश हरिलाल कोठारी

(4) कमलाबेन हरिलाल कोठारी

32. ग्राम्नीयन स्ट्रीट, कलकत्ता-1

(अन्तरक)

2. जाग्रती छगनलाल अजमेरा,

अजमेरा कार्पोरेशन,

पी० बी० एन. हाउस, पी० एन० रोड,

बम्बई-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

980, बर्ग गज जमीन जो एस० नं० 55 प्लॉट नं० 28-ए-4, से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज, के पास, राजकोट में स्थित है, ये जमीन रजिस्ट्री नं० 7187 से 13-12-1979 को रजिस्ट्री की गई है और बिक्री खत में संपूर्णतः वर्णित है की गई है।

एम० एन० माण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख 26-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1067, एक्सी०-23-I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 55, प्लॉट नं० 28-ए, है तथा जो गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज, के पास, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गीरधर लाल बानालाल कोठारी  
32, आर्मोनीयन स्ट्रीट,  
कलकत्ता-1

(अन्तरक)

2. श्री जयन्त ईश्वरलाल अजमेरा  
अजमेरा कारपोरेशन,  
पी० बी० एन० हाउस, पी० एम० रोड,  
बम्बई-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

980 वर्ग गज खुली जमीन जो एस० नं० 55, प्लॉट नं० 28-ए, से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज, के पास राजकोट में स्थित है, ये जमीन रजिस्ट्री नं० 7188 से तारीख 13-12-79 को रजिस्ट्री की गई है और बिक्री खत में सम्पूर्णतः वर्णित की गई है।

एस० एन० मान्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 26-6-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1068, एक्वी 23-I 80-81

अतः मुझे, एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 55, प्लॉट नं० 28 ए० 5 है तथा जो गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जयन्ति लाल बानालाल कोठारी 32, ग्राम-नियन स्ट्रीट, कलकत्ता-1।

(अन्तरक)

(2) श्री शैलेश मोशीलाल अजमेरा, अजमेरा कापों-रेशन के सामने पी० बी० एन० हाउस, पी० एम० रोड, बम्बई-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

980 वर्ग गज खुली जमीन जो एस० नं० 55, प्लॉट नं० 27-ए०-5 से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है, ये, जमीन रजिस्ट्री नं० 7189 से तारीख 13-12-1979 को रजिस्ट्री की गई है और बिक्री खत में संपूर्णतः वर्णित की गई है।

एस० एन० माण्डल;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 26-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 1095-एकवी I:—अतः मुझे,  
एस० एन० माण्डल,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सुपरकसटकचर पिलिन्थ पर अर्थात् राज सिनीया  
मकान है। तथा जो केशोद, जिला जुनगड में स्थित है।  
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनगड में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
14 दिसम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
लप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किस जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अशोक ट्रेडर्स, प्रेसिडेंट श्री अशोक कुमार  
छोटेला, स्टेशन रोड, केशोद।

(अन्तरक)

(2) राज सिनीया, के द्वारा भागीदार श्री पोला  
भाई राजा भाई और दूसरे। गांव हानडा।  
ता० केशोद, जिला जुनगड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान मालुय मेसरस राज सिनीया जिसका माप  
1763-5-0 वर्ग गज पर स्टेशन रोड, केशोद में स्थित है।  
जो बिक्री खत नं० 1373/14-12-79 से केशोद रजिस्ट्रार  
के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत  
संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० माण्डल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 19-7-1980  
मोहर:



प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 1096/एक्वी 23/I:—अतः मुझे, एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० एस० पी० 169 पैकी टि० पि० एस 15 प्लाट नं० 19 बी है। तथा जो साथिवर्दी का ओ-है सैसथिटी लिमिटेड, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मधुकान्ताबेन गौरीशंकर देव और दूसरे। नगीनदास मानषन, ब्लाक नं० 14, चौथी मंजिला ओपेरा हास, बम्बे। (अन्तरक)

(2) श्री रति लाल साकरचन्द मनसाबाला, शान्ति कुन्ज कोलनी नं० 2, 1, नागरधेन का वानडो, धीकान्ता रोड 1, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जमीन पर जिसका माप 672 वर्ग गज में एक० पि० नं० 169 पैकी टि० पी० एस० 15-प्लाट नं० 19-बी पर स्थित है। जो सत्यवादी कोआपहैसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बाडज, अहमदाबाद में है। जो बिक्री खत नं० 14014/26-12-79 में अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० माण्डल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 19-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1097/एक्यू 23-I/1-1/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० माण्डल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दि० पी० एस० नं० एफ० पि० 56, सब प्लॉट नं० 4 है। तथा जो उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13 दिसम्बर 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजेन्द्रा दवारकादास टाकोर 46, प्रीतम नगर एल्लिस ब्रिडज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिसित कृपा का० ओ० है० सोसायटी लिमिटेड के द्वारा प्रमुख श्री सनकलचन्द शान्तिलाल शाह 43, हरिसिध कृपा को० ओ० है० सोसायटी लिमिटेड नारायणपुरा अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित है, वही पदों होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका माप 1279 वर्ग गज में एफ० पि० नं० 56 सब प्लॉट नं० 4, टि० पि० एस० नं० 19 पर उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है। जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में विक्री खत नं० 11625 तारीख 13-12-79 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकन संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० माण्डल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 22-7-1980

मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 953 एक्कु 23/7-3/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 441 (पैकी) लानड विगा गांव महादेव नगर एरिया है। तथा जो नवजीवन सोसायटी के पास, कालीरोड सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-79,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातः—

(1) पं० बिखा भाई दुलाभाई बंगाली, सुन्दर रोड, बिलपोरा।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री चोठालाल लल्लुभाई मिसतरी और चार दूसरे। महादेवनगर, बिल्लीमोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्नातरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन जिसका माप पर आर० एस० नं० 441 (पैकी) वेगा गांव, महादेवनगर, बिस्तार, नवजीवन सोसायटी के पास चिकाल रोड, बिलमारा में स्थित है। जो बित्री खत नं० तारीख 5-12-1979 पर गनदेवी रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० माण्डल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11 अहमदाबाद

तारीख: 18-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 954 एक्वी 23/1980-81/—अतः

मुझे, एस० एन० माण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० नाघ नं० 3374, माली फलिया कार्स  
मेदन है तथा जो वार्ड नं० 1, सूरत में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11  
दिसम्बर 79,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बसन्तकुमार एलियास बसन्तकुमार धनराज  
सेबानी पुपिठन दक: धनराज मानकचंद एलियास  
ढीर रोड 1, गुण मानसील 1, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री किरीतीलाल पोपटलाल शाह 1, राज एपार्टमेंट  
नं० 3, गोपीपुरा 1 मालीभलिया 1, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत नांव नं० 3374 पर माली फलिया, काज  
मेदन, गोपीपुरा सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के  
कार्यालय में तारीख 11-12-1979 में रजिस्ट्री की गई  
है।

एस० एन० माण्डल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० एक्यू 23/I/80-81 :—अतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7, एम० नं० 2288 (पैकी) गोदाद रोड डि० सि० एस० नं० 5 है। तथा जो अतवा, सूरत में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 दिसम्बर 1979,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्येयितयों, अर्थातः :—

6—216GI/80

(1) श्री कल्लुभाई रत्नचान्नी पटेल, सिकारा तालुका—  
बारदोली, सूरत जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री जातीन भाई जयन्तीलाल मेहता, 54 सरदारनगर सोसायटी, मुमुल डय रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करती हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन प्लॉट नं० 7 सरवे नं० 2288 (पैकी) गोदाद रोड, डि० पि० एस० नं० 5, अतवा सूरत में स्थित है। जो सूरत में रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 18-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० माण्डल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 22-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 956 एम्यु 23-II/80-81 :—

अतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 262-6 पैकी जमीन है। तथा जो  
बरखोली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बारदोली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 26 दिसम्बर 1979,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री नाथाभाई नरसि भाई पटेल, दीवालीबेन,  
चिनुभाई नरसिभाई के विधवा, बारखोली।

(अन्तरक)

(2) प्रमोह, ताकोरभाई रणछोडजी, नायीक। अध्यक्ष  
श्री बासकभाई हरिभाई भादके के द्वारा अकुर  
को० ओ० है० सोसायटी, बारदोली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 262-6 पर बारखोली में स्थित है।  
जो बारखोली रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 26-12-1979  
रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० माण्डल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 22-7-1980

मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निदेश सं० पि० आर० नं० 957 एक्यू 23-I/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोब नं० 4208, वार्ड नं० 2, काला मेहात झोरि है। तथा जो संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 दिसम्बर 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वस्थित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल न, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मानतरायी श्रिपतरायी वैद्यवा, सांग्रामपुरा, काला मेहात झोरी 1, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिजलाल अतमाराम राणा, बेगामपुरा अतमाराम राणा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत नोब नं० 4208, वार्ड नं० 2, सांग्रामपुरा सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 7-12-1979 में रजिस्ट्रार की गई है।

एस० एन० माण्डल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 22-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 958/एक्वी 23-II/8 0-8 1—

अतः मुझे, एस० एन० मोन्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 4238 वाई नं० 2, काला मेहता शेरी है तथा जो संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 दिसम्बर 1979,

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कातिलाल बालकृष्णा शास्त्री। संग्रामपुरा, काला मेहता शेरी, हाल का पता जिला कार्यालय, पश्चिम रेलवे, कोति कामपैनड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार परबोतम दास जारीवाला, सिधी शेरी, सालाबतपुरा हाल का पता:—काला मेहता शेरी। संग्रामपुरा सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत नोद नं० 4238 वाई नं० 2, काला मेहता शेरी, संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है। जो-सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 25-12-79 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० मोन्डल,

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-7-1980

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 959/एक्यू०/23-II/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंद नं० 3085 बि० सि० ई० बादेका चकला बार्ड नं० 1 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित, बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महामुखलाल मोहनलाल मेहन्ता 1, 9/1341, बालाजी रोड 1, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद भाई ईसमैथिल मुल्ला (पी० ए० एच० सी० ईसमैथिल अहमद मुल्ला 1), पार-सिवाड 1, रानदेर 1, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदससक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मिलकत बादेका चकला, कवाजा दादा साहब दर्ग के पास नोंद नं० 3085-बी० सी० ई०, बार्ड नं० 1 में स्थित है । जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है ।

एस० एन० मांडल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 22-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/25604/79-80/अर्जन/  
बी०—अत मुझे आर० तोताली  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 769/1 और आर० एस०  
सं० 101/बी1 है, तथा जो कदरी गांव, बेहूर धार्ड, मंगलूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय रखा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जे० संजीव सलियनि, सुपुत्र उरगप्पा पुजारी,  
कदरी मार्केट के पास, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० नागेडा, सुपुत्र कोरगप्पा, "नेत्ती हाउस",  
मरोली, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 713/79-80, तारीख 6-12-79]।  
धर संपत्ति

क्रम सं०	टी० एस० सं०	आर० एस० सं०	किस्त सं०	ए० सी०
1.	749/1	101/बी1	—	0.11
	(उत्तर विभाग का 0.80 सेंड में पश्चीम विभाग)			
2.	749/1	101/बी1	—	0.05
	(उत्तर विभाग के 0.80 सेंट में दक्षिण विभाग)			
क्रम सं० 1 में एक महड़ी इमारती है जिसके सं०				
15-13-716-2(8) और 717।				

आर० तोताली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/25605/79-80/अर्जन/बी०—

अतः मुझे आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० वी० सं० 78-8 और 78-1-ए०-2 है, तथा जो कंकनाडी गांव, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सीमन सिलवीस्टेर रसकवीनां सुपुत्र बोलिवेन्चर रसकवीनां, सिलालिस, कनपतेगु, कंकनाडी, मंगलूर-2।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री एम० सुन्दर शेटी, सुपुत्र चंदु शेटी, मैनेजिंग पार्टनर रेनबो रेड्डी वेरस और

(2) एम० सुरेडा शेटी सुपुत्र एम० सुंदर शेटी पार्टनर, कंकनाडी, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

[दस्तावेज 715/79-80 तारीख 23-11-79]।

संपत्ति सं०

(1) एस० वी० सं० 78-8—बागायत 0.17-1/2।

(2) एस० वी० सं० 78-1ए०-2—नंजा —0.04

0.21-1/2

या 870.10 वर्ग मीटर।

कंकनाडी, मंगलूर।

आर० तोतावी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा

289-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1980

निर्देश सं० सी० आर०/25792/79-80/अर्जन/बी—

यतः मुझे आर० तोताक्षी

आयकर अधिनियम, 1951 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 27/02 है तथा जो I-ए' में रोड, दूसरा ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भी प्रकार की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर से अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० एच० जी० सुन्दररामरेड्डी, सं० 17, बल्लारी रोड, पैलेस आरचर्ड, बंगलूर-6।  
(अन्तरक)

(2) श्री डी० ए० श्रीरामचंद्र, सं० 162/10-बी, राम अर्पीनार रोड, बी० बी० पुरम, बंगलूर-41  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रौद्गस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3038/79-80 तारीख 13-12-1979)  
घर सम्पत्ति सं० 27/02, IX-ए, मेन रोड, दूसरा ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11।

चकबंदी :—

उत्तर में : सं० 276

दक्षिण में : जगह सं० 27/03

पूर्व में : जगह सं० 27/01

पश्चिम में : IXए, मेन रोड

आर० तोताक्षी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार]

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एफ्यू०/एस० आर०-I/  
12-79/6017—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० ओलख  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० ए-2/38 है तथा जो राजौरी गार्डन,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-12-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-216 GI/80

(1) श्री पी० सी० उवरोल पुत्र स्वर्गीय गुरु प्यारे  
उवरोल, निवासी ए-2/38 राजौरी गार्डन, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा रानी धर्मपत्नी वृज मोहन खन्ना,  
सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री वृज मोहन खन्ना व भूपिन्द्र  
कुमार पुत्र श्री वृज मोहन खन्ना, निवासी डब्ल्यू०  
जैड-8, मीना कासी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक सिंगल स्टोरी कोठी नं० ए-2/38 राजौरी गार्डन  
नई दिल्ली जो कि निम्न लिखित प्रकार से घिरा हुआ है:—

उत्तर: प्रापटी नं० ए2/37

दक्षिण: प्रोपटी नं० ए2/39

पूर्व: रोड

पश्चिम: प्रोपटी नं० ए2/41

श्रीमती एस० के० ओलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०एयू०/II/एस० आर०-J/  
12-79/6042—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8/6 है तथा जो अलीपुर रोड, दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स एल० एन० गडोडिया एंड सन्ज लिमिटेड  
फूचा नटवर, चांदनी चौक दिल्ली-6 श्री तेज पास  
गडोडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी दत्त गुप्ता पुत्र लाला जगन्नाथ और  
श्रीमती सन्ध्या गुप्ता धर्मपत्नी श्री लक्ष्मी दत्त  
गुप्ता निवासी 81-ए, कमला नगर, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक बंगला नं० 8/6, अलीपुर रोड, सिविल लाइन्स,  
दिल्ली में स्थित है, जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा  
हुआ है:—

पूर्व : अलीपुर रोड

पश्चिम : चर्च मिशन स्कूल

उत्तर : बंगला नं० 10 अलीपुर रोड

दक्षिण : बंगला नं० 8, अलीपुर रोड।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1980

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/  
12-79/6066—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4/7 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 26-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उल्टे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रुकमनी एस० मीरचन्दानी विधवा श्री  
सितल दास निवासी डी-6, निजामुद्दीन वैस्ट,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री भीम सैन कुमार, निवासी  
3/88 रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रकरण 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण  
में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान नं० 4/7 ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में  
स्थित है। जो कि लीज होल्ड प्लॉट पर बनी हुई है। जो  
कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

पूर्व : लेन

पश्चिम : मकान नं० 4/6।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/12-79/3040—प्रतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 26 है तथा जो नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, कमल सिंह वर्मा, मुकेश वर्मा, पुत्र श्री हर नारायण निवासी 26-नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णावन्ती धर्मपत्नी चुप्पी लाल कुमार 10/78, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लॉट नं० 26, नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग गांव के इलाके मावीपुर विल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर : मकान जो कि प्लॉट नं० 28।

दक्षिण : प्लॉट नं० 24।

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1980  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
12-79/720—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जी-9 है तथा जो महारानी बाग, न्यू  
देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एल० खैतान, 176-ए, राजपुर रोड,  
देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी कपूर, पत्नी कर्नल जे० सी०  
कपूर, जी-9, महारानी बाग, न्यू दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताशरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० जी-9 महारानी बाग, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सज्जम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/  
12-79/721--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० ई-48 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्रभूषण दास गुप्ता, पुत्र एच० एच० दास  
गुप्ता निवासी गोघासी ईऊदा, खरगपुर-721305  
(अन्तरक)

(2) श्री गुरवक्श सिंह, मोहन सिंह, 52/42, पंजाबी  
बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-48, क्षेत्रफल 250 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली-48।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एम० आर०-III/  
12-79/218—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर मंजुरि बिना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिसबे है तथा  
जो गांव खानपुर तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 11-12-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को जिन्हें धायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री कैप्टन पुरुषोत्तम दत्त शर्मा, बी-4/32, सफदर-  
जंग इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री मैमज निक इन्जीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड  
503, 701, सहयोग भवन, 58 नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पास  
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कृषि भूमि क्षेत्रफल 4 बीघा, 16 बिसबे ट्यूब वेल,  
3 फार्म हाऊस सहित, एक शेड, पानी का टैंक, जो कि  
तारान है और चारों तरफ तार लगे हुए हैं, बिजली की  
मोटर, बिजली का कनेक्शन है। खसरा नं० 517 है,  
स्थित है गांव खानपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/  
12-79/748--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० ई-149 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 17-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में  
कसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गुरवीन्द्र सिंह खुराना, निवासी ई-118  
ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल गुप्ता, निवासी-454 ग्रेटर  
कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

2½ मंजिल इमारत बनी हुई है 149 ब्लाक ई,  
जिमहा क्षेत्रफल 251 वर्ग गज है जोकि स्थित है रिहायशी  
मकानों जानी जाती है ग्रेटर कैलाश- , नई दिल्ली जो कि  
चारों तरफ से घिरी हुई है:—

पूर्व : सविस लेन।

पश्चिम : सड़क।

उत्तर : मकान नं० ई-151

दक्षिण : मकान नं० ई-147

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I; नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
12-79/782—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/6 भाग ए 33 का है तथा जो कैलाश  
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकासी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1979 में

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—  
8-216GI/80

(1) श्रीमती रूना चटर्जी, 31, साऊथ मलका, इलाहा-  
बाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सरदार एगजीक्यूटिव (प्राइवेट) लिमिटेड,  
1147, चांदनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची।

हमारा नं० ए-22, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48  
का 1/6 भाग।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

सोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
12-79/783—अतः- मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-33 का 1/6 भाग है तथा जो कैलाश  
कालोनी, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुरूप  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979 को  
को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अशीश कुमार गंगोली, एफ-1134, चितरंजन  
पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मीसर्ज सरदार एम्मीबूटर प्राइवेट लिमिटेड  
1147, चान्दनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ईमारत नं० ए०-33 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48  
का 1/6 भाग।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980।  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एल० आर०-III/

12-79/784—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-33 ग का 1/6 भाग है तथा जो  
कैलाश कालोनी, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
विसम्बर, 1974

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शोनु मुकर्जी, 45-ई/4 पहली मंजिल मूरे  
एवेन्यू, टोलीगंज, कलकत्ता-53।

(अन्तरक)

(2) मेसेच-सरदार एग्ज्यूक्यूटर प्राईवेट लिमिटेड  
1147, चौबनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ईमारत नं० ए-33 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48  
का 1/6 भाग।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० के० मंगोली, 2/8, अमर ज्योती कोप-रेटिव, हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, थाना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स सरदार एग्जीक्यूटिव प्राईवेट लिमिटेड, 1147, चूना मंडी, चान्दनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/

12-79/785—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-33 का 1/6 भाग है तथा जो कैलाश कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्तक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईमारत नं० ए०-33 का 1/6 भाग कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।तारीख : 2-8-1980  
मोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्री के० के० गंगोली, एम-78, ग्रेटर कैलाश  
पार्ट-I, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) मसर्स सरदार एग्जीक्यूटिव प्राईवेट लिमिटेड,  
1147, चांदनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:-

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-III/  
12-79/786—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैस्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।और जिसकी संख्या एब33 का 1/6 भाग है तथा जो कैलाश  
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर, 1979 कोको पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/याइमारत नं० ए०-33, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48  
का 1/6 भाग।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/  
12-79/787—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-33 का 1/6 भाग है तथा जो कलाश  
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिब  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए० के० गंगोली, टोलीगंग, सरकलर रोड, कलकत्ता-53  
निवासी बटाला । (अन्तरक)

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सरदार एजीब्यूटर प्राईवेट लिमिटेड,  
1147, चांदनी चौक, दिल्ली-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

इमारत न० ए-33 कलाश कालोनी न्यू दिल्ली-48 का  
1/6 भाग ।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

प्रख्य आई०टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/  
12-79/789—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० ई-38 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-12-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती कान्ता धीर, 72 एम० नालिशा, बोमन  
जी, पेटी रोड, बम्बई-400036।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर कुलदीप सिंह, एम-161, ग्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 38, ब्लॉक नं० ई, क्षेत्रफल 250 वर्ग गज  
रिहायसी कालोनी, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-48,  
पूर्व : प्लॉट नं० ई-36  
पश्चिम : प्लॉट नं० ई-40  
उत्तर : सड़क।  
दक्षिण : सड़क लैन

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर-III/12-79/790—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-126 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जसवीन्द्र सिंह बल्द धर्म सिंह निवासी-ए-2/192, सफदरगंज इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रबीन्द्र कुमार जेटली, बल्लू जगन नाथ शास्त्री और श्री मति अमीता जेटली पत्नी रबीन्द्र कुमार जेटली दोनों निवासी हैं 30-34 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 126, ब्लॉक नं० 6 पर 2-1/2 मंजिल इमारत है। जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि स्थित है ग्रेटर कैलाश-I, गांव माकूतपुर दिल्ली प्रदेश दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/एस० आर०-III/  
12-79/797—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि 3.5 एकड़ है तथा जो  
मकान गांव छत्तरपुर न्यू दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) प्रोफेसर विमल स्वरूप शर्मा कृषि फार्म, गांव  
छत्तरपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्स रोगर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड,  
2 सिधिया हाऊस, जनपथ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 3.5 एकड़ जिसमें एक  
कमरा बना हुआ है जो कि स्थित है गांव छत्तरपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9-216GI/80

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र पर प्रकाशित

कामोत्तर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-III/  
12-79/801—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं०-540 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-79  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के शायिक में कमी  
करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् ।—

(1) श्रीमती ज्योत्सना राजन पत्नी डाक्टर डब्ल्यू०  
सी० राजन, 14 ई, रिंग रोड, लाजपत नगर  
IV, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी नवीन कुमार और सुनील कुमार  
निवासी डब्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-540 क्षेत्रफल 580 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

प्राकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III/  
12-79/815—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० एस०-248 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,  
अर्थात् :—

(1) श्री शिव कुमार कोहली पुत्र श्री कुन्दन लाल  
कोहली, मार्फत मैसर्स बी० आर० के० इन्टर  
प्राइजेज, डाक बंगला, रोड, पटना।  
(अन्तरक)

(2) श्री हरनाम सिंह पुत्र प्रेम सिंह मार्फत श्री सुरेश  
विरमानी एंड एसोसिएट्स, ई-1, कनाट प्लेस,  
नई दिल्ली-1।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
उत्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहाईसी प्लॉट नं० एस०-248, ग्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली, क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर (300 वर्ग गज)।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०/III/आर-79/823—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०-195 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० एन० चोपरा पुत्र बंज नाथ चोपरा  
रिहसी 8 लार्ड सिंहा रोड कलकत्ता-6।  
(अन्तरक)

2. श्री दीपक गहरी पुत्र मुख राज गहरी माफत मैसर्स  
बुककोरनर बी-10 कनाट प्लेस, न्यू देहली-11।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

टिप्पण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फो होल्ड निवासी संपत्ति नं० 195 ब्लॉक 'बी' क्षेत्रफल 512.5 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-I न्यू देहली जो कि चारों तरफ से घिरी हुई है।

पूर्व—सड़क

पश्चिम—ताला

उत्तर—प्लॉट नं० बी-193

दक्षिण—प्लॉट नं० 197।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/एस० आर०-III 12-79/824—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 66 है तथा जो रिंग रोड, लाजपत नगर न्यू दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोग तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बैनोबाल तीर्थदास मुगहानानी वल्द श्री तीर्थदास निवासी III-1/47 लाजपत नगर, न्यू देहली मुश्तयारे ग्राम ए० डी० मंगहानी वल्द तीर्थदास निवासी 1/47, लाजपत नगर, न्यू देहली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार और हरीश चन्द्र पुत्र केशर दाम अरोरा-66 रिंग रोड, लाजपत नगर, न्यू देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 66 क्षेत्रफल-790 वर्ग गज, रिंग रोड, लाजपत नगर, न्यू देहली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-980

मोहर :

प्रारूप आई० बी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-III/12-79/845---यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० II जे/37 है तथा जो लाजपत नगर, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवकी नन्दन पुत्र केशर चन्द सहगल निवासी-II एल-37 लाजपत नगर, न्यू देहली मुख्तियारे ग्राम श्री पुष्पा रानी।

(अन्तरक)

2. श्री मुखबैन सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी बी-173 पूर्वी कैलाश न्यू देहली मुख्तियारे ग्राम वक्सीसिंह निवासी बी-173 पूर्वी कैलाश न्यू देहली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आज्ञापः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निशान में किए जा सकेंगे।

राश्ट्रीयकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० II जे०-37, लाजपत नगर, न्यू देहली क्षेत्रफल 100 वर्ग मज।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/1/एस० आर०-  
12-79/1697--यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि एवावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० आर०-551 है तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर,  
न्यू दिल्ली में स्थित है और इससे छायाद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका० के कार्यालय  
न्यू दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 31 दिसम्बर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
व्यवमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारपूर्वक सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान  
प्रतिफल के पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० सी० मेहता बल्द कमचन्द मेहता, आर०-  
551, न्यू राजिन्द्र नगर न्यू दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री हरबंस लाल बल्द रामदास, आर०-551 न्यू  
राजिन्द्र नगर न्यू दिल्ली और गुरचरण लाल बल्द  
रामदास, 10071, नबाब गंज देहली।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़  
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त एवावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ईमरत नं० आर०-551, न्यू राजिन्द्र नगर, जो कि चारों  
तरफ से घिरी हुई है।

पूर्व—जी० बी० पी०

पश्चिम—लैन

उत्तर—सड़क

दक्षिण—सविस लैन।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली 110002

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस०आर०III/12-79/

813--यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एग्रीकल्चर लैण्ड 23 विधा 19 विस्वा है तथा जो गांव डेरा मंडी तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री राजा राम एलीस राजीव और रतन लाल दोनों पुत्री भारत गांव डेरा मंडी नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती राजवन्ती सिंह बारा पुत्री श्री तारा सिंह बारा निवासी 7ए फरीदकोट हाउस नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

एक कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 विधा और 19 विस्वा जो कि गांव डेरा मंडी में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/II/एस० आर०/III/  
12-79/835—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० सी० 285 है तथा जो डिफेंस कालोनी,  
न्यू देहली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में  
सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
10—226GI/80

1. श्रीमती निर्मल के० मेठी पत्नी केवल विशन मेठी  
और श्रीमती निर्मल एस० मेठी पत्नी सरवों  
मेठी सी० 285, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश थापर पत्नी जी० पी० थापर ए० 194  
डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रापः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सिधल युनिट 2½ मंजिल मकान नं० सी०-285  
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, जो कि जिम प्लॉट पर बनी हुई है  
उसका क्षेत्रफल 335.4 वर्गमीटर है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सश्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I एसआर० III/12-79  
842/—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं 5 है तथा जो एन० डी० एस० ई०  
भाग-I नई दिल्ली में स्थित है (इनसे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिनांक 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से तय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ठाकुर रतन सिंह सी-27 रक्षा भवन मानसिंह रोड  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० हरी वियणनव और डा० श्रीमती सरला वियणनव  
91 रविन्द्रा नगर नई दिल्ली-3।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिंगल स्टोरी हाउस फ्री होल्ड प्लॉट नं० 15 ब्लॉक  
5 जिसका क्षेत्रफल 271.2 वर्गगज है तथा जो कि कोटला  
मुबारकपुर गांव में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-111/

12-79/1687—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 5 ब्लॉक X गीरीन पार्क न्यू  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्यू  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 18 दिसम्बर 1980

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नरेन्द्र नाथ बधवा बल्द श्री सोहन लाल वस्यां  
निवासी 238 डब्लु-स्टोरी राजिन्द्र नगर न्यू देहली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मिरहुना जैन पत्नी चिरंजी लाल जैन निवासी  
2-एकम, गीरीन पार्क न्यू देहली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5, ब्लॉक एकम, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज  
गीरीन पार्क, न्यू देहली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1980  
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/ एस० आर०  
12-79/820—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सहाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० एच एस 25 है तथा जो न्यू देहली में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्यू देहली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य मास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती ईश्वर देवी पत्नी स्वर्गीय श्रीमन चन्द आनन्द  
निवासी के-33 जंगपुरा एकमटेनसन, न्यू दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्रीमती किरन कांताबाला पत्नी आर० बी० कान्ता  
बाला और श्रीमती नन्दी किरन कान्ता बाला  
पत्नी श्री के० आर० कान्ता बाला, दोनों को  
रिहाइस ए-164 डिफेन्स कालोनी नई देहली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रपं होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति बनी हुई है मकान नं० 25 ब्लॉक एच एस  
कैलाश कालोनी न्यू दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 167.23 है।  
जिसके चारों तरफ इस प्रकार है।

पूर्व—पैदल का रास्ता

पश्चिम—सर्विस लैन

उत्तर—प्लॉट नं० एच-26

दक्षिण—प्लॉट नं० एच० 24।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख: 12-8-1980  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री नारायण दास तौरमल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति अस्माबाई पत्नी इमदादाली ए० मुकादम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० आर०-1/4342.18/डी०-79—यतः मुझे जे० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1144, 20, 20, 24 पायबाला स्ट्रीट है तथा जो गिरगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 297/79 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27/12/1979 के रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० एच० तेजाले  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 29-7-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1980

निर्देश सं ए० आर० 1/4338.14/डी० 79—यतः  
मुझे ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1444, अंबेबाड़ी है तथा जो गिरगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 दिसम्बर 1979 (विलेख नं 1082/74/बम्बई)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तब पया गया प्रतीकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री महम्मद हुसैन रहिमनुल्ला विनाय
- (2) मैसम सरीना इब्राहिम गुलामहुसैन क्रिमभाय
- (3) हाजी भाई महम्मद जमाल
- (4) श्री फासल अलिमहम्मद फासलभाय
- (5) महोम्मद अलिभाय भानजी
- (6) महोम्मद अलिभाय महोम्मद
- (7) श्री इकबारअली अलिभाय प्रेमजी
- (8) श्री इस्माईल जफेर मेहरल्ली
- (9) श्री मेहदि राजावाली कासम
- (10) श्री युसुफलु अबदुल्ला फाजलभाय
- (11) श्री रहिम करीम मिस्त्री
- (12) श्री अलीभाय जह्मेर माधानी
- (13) श्री कासम अली गुलाम हुसैन दूस्तानी।

(अन्तरक)

2. मैसम लखानी (प्राइवेट) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1082/74/बम्बई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-12-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज , बम्बई

तारीख : 29-7-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० आर०-1/4337-13/विसम्बर 79---

अन० मु०, ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 412 (पार्ट) है तथा जो  
तटदेव डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय  
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 26 दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्धरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. एम्पायर डाइंग और मैनुफैक्चरिंग कं० लिमिटेड  
(अन्तरक)
2. श्री महम्मद हुसैन शेखअली बर, डावाला, सुलतान  
अली शेखअली बर, डावाला, गमनलाल एम०  
मेहता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3632/73/बंबई उपरजि-  
स्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 26-12-79 को रजिस्टर्ड किया  
गया है

ए० एच० तेजाले

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 30-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० एआर- /ए०पी० 349/80-81—यतः मुझे ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० और 429 430 और 430/ से 430/11 एस० नं० 64/1 पाट 1 एस० नं० 64/1 पाट 2, एस० नं० 119/1 और 2 है तथा जो एस० बी० रोड अंधेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च 1980 (विलेख नं० एस० 1641/79)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुरेन्द्र मनसुख पटेल, विरेन्द्र मनसुख पटेल, महेंद्र मनसुख पटेल, नरेन्द्र मनसुख पटेल

(अन्तरक)

2. मैसर्स अलका कंस्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताअरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1641/79 उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 3-3-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० एच० तेजाले  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 1-8-1980  
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं ए०आर०-1/4344-2/जन-80—यत, मुझे,  
ए० एच० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4/बी है तथा जो मालावार  
कंबाला हिल में स्थित है (और इससे उपान्वष्ट अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 9 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जयकिनदास बालचंद पमनानी

(अन्तरक)

2. कुमारी परबिन एस० हरानी, मिसेज दोलत एच०  
दुंगाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3032/71 बंबई उपरजिस्-  
ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 9-1-1980 को रजिस्टर्ड किया  
गया है।

ए० एच० तेजाले

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एच० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार।

कार्यालय; सहायक आयकर (आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1649-ए०/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्त्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अखाड़ा पंचायती श्री निरन्जनी मायापुर हरिद्वार द्वारा महम्त रूप गिरी जी, व हरदयाल गिरी जी निवासी उक्त सभा

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहनी देवी परनी वसन्त सिंह बर्मा निवासी मोहनी निवास निरन्जनी अखाड़ा हरिद्वार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट 3000 वर्ग फुट स्थित निरन्जनी अखाड़ा हरिद्वार में स्थित है जो कि 43,500 रु० में बेचा गया है

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख :— 1-8-1980  
मोहर :—

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1531-ए० मरठ/79-80—यत मुद्दे बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो ब्रह्मापुरी मेरठ में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
18 दिसम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री किरण कुमारगुप्ता श्री स्व० लाल भद्री प्रसाद  
246 कृष्णापुरी मेरठ

(अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह जैन पुत्र श्री लाला सुन्दर लाल  
जैन निवासी 233, 234, हाल नम्बर 96/1  
ब्रह्मापुरी मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मकान एक मंजिला जिसका नम्बर 233 व 234  
मोहल्ला ब्रह्मापुरी मेरठ में स्थित है जो कि 35,000 रु० में  
भोजी गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1411-ए/रुड़की/79-80—यतः मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० प्लॉट नं० है तथा जो सिविल लाइन में  
स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एकद्विप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री दयाराम निवासी  
30 ए० सिविल लाइन रुड़की, जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति सुनैना आहूजा धर्मपत्नी श्री आर० सी० आहूजा  
निवासी 16 सिविल लाइन रुड़की सहारनपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि जिसका क्षेत्रफल 3672 वर्ग फुट होता  
है स्थित सिविल लाइन रुड़की जिला सहारनपुर में स्थित है  
जो कि 47736/र० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश नं० 1462 ए०/रुड़की/79-80—अतः मुझे-  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी नं० मकान है तथा जो मकतुलपुरी में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
31 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री दिनेश चन्द्र पुष्पा श्री खजानचन्द्र निवासी रेलवे  
स्टेशन रोड़ मकतुलपुरी रुड़की सहारनपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमवती गुप्ता पत्नी प्रेमचन्द्र गुप्ता व पुरुषोत्तम  
दास बंसल पुत्र श्री स्व० ला० शोभाराम निवासी  
48 सिविल लाइन रुड़की, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

धनसूची

एक कित्ता अहाता पूर्व मुहाना क्षेत्रफल 2475.50 वर्ग  
फुट है तम्बरी 39 मो० मकतुलपुरी तह० रुड़की सहारनपुर  
में स्थित है जो कि 60,000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1410-ए/हापुड़/79-80—यतः मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान 48 है तथा जो रघुवीर गंज में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़  
गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 7-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री मुन्नी लाल गौड़  
निवासी 48, रघुवीर गंज, हापुड़ जिला  
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. सरदार भुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र सरदार गुरदीप सिंह  
व सरदार जग सिंह पुत्र श्री लारा सिंह निवासी  
48, रघुवीरगंज, हापुड़ जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान एक मंजिला क्षेत्रफल 200 वर्गगज  
मो० 48 रघुवीर गंज, हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है जो  
कि 30,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-8-1980

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1449-गाजियाबाद/79-80—यतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 116 प्लॉट है तथा जो कड़कड़ मंडल में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 21-12-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आर्यन ब्रादर्स प्रा० लि०, 1170 कच्चा महाजनी  
चांदनी चौक, देहली।

(अन्तरिक)

2. श्री मदन लाल गुप्ता, पवन कुमार गुप्ता पुत्र कुन्दन  
लाल गुप्ता, गुरदेव गुप्ता अशोक कुमार गुप्ता,  
गिल कालोनी सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एकड़ प्लॉट क्षेत्रफल 1368.83 वर्गगज, नम्बर 161  
प्रकाश इंडस्ट्रीयल स्टेट कड़कड़ मंडल ग्यानी बोर्ड के समीप  
जिला गाजियाबाद में स्थित है तथा जो 41,064.90 रुपये  
में बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1412-ए/मेरठ/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 209 है तथा जो वेस्ट एण्ड रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिमी वन या अन्य प्राप्तिओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दलीपकुमार गुप्ता पुत्र श्री लाला भगवत दयाल गुप्ता निवासी बंगला नम्बर 229 इस्ट एण्ड रोड, मेरठ कैन्ट।

(अन्तरक)

2. सरदार हरवंश सिंह पुत्र श्री खेल सिंह व भगवत सिंह व सुमेर सिंह जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री दीवान सिंह निवासी 209 बेस्ट एण्ड रोड मेरठ कैन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 209 बेस्ट एण्ड रोड मेरठ कैन्ट, पर स्थित है तथा जो 80,000/- रुपए का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1468-ग/गाजियाबाद/79-80—यतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो पमोडा में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रि-  
करी अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रिकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
12 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--  
12-216 GI/80

1. श्री राम प्रकाश गोयल पुत्र स्व० ब्रह्मानन्द निवासी  
फर्रुख, नगर परलोनी तह० व जिला गाजियाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री रोगन लाल व सुरेश कुमार पुत्र श्री लाला त्रिलोकी  
चन्द्र खड्डेलवाल निवासी बडौत जिला मेरठ वर्तमान  
निवासी डी/-194 विवेक विहार, देहली-32।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आवामिक प्लॉट नं० 11, 12, 13, 14 जो आपस में मिले  
हुए हैं क्षेत्रफल 2400 वर्गगज है। जोकि 43,200/- रु०  
में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर, आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-8-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1597-ए/कानपुर/79-80—यतः मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
263-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सफा नं० 88/545 तथा जो प्रेमनगर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
31 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुनः यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृतित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा-  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री मानमोन्द गंगोली, रामोन्द कुमार गंगोली, शैलेन्द्र  
कुमार गंगोली, 88/545 प्रेमनगर, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अहमद निवासी 98/56 बेकनगंज कानपुर,  
अब्दुल कदिर निवासी मुजरतगंज, अब्दुल माजिद  
निवासी 181/3 जूही कानपुर, शमीमउद्दीन निवासी  
99/143 मोहल्ला कन्धी मोहाल, मुशताक निवासी  
88/148 चमनगंज, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अनुयाय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उन अनुयाय में दिया गया है।

अनुसूची

संख्या नम्बर 88/545 प्रेमनगर, कानपुर में स्थित है जो  
कि 1,50,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक: 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1551-ए/मेरठ/79-80--यतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

ग्रौरजिसकी सं० मकान नं० 10 व 11 है तथा जो मालवीय चौक में स्थित है (ग्रौर इमंन उपाबद्ध अनुमोची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिवासी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 24 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम किशन दाम उर्फ बुद्ध प्रभाश पुत्र ला० राज कुमार निवासी मो० जत्तीवाड़ा, शहर मेरठ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती हर प्यारी देवी मैमोरियल चैरिटेबिलिटी ट्रस्ट राज० मालवीय चौक मेरठ वज्रिये श्री ओम प्रभाश पुत्र ला० न्यायदरमल मंत्री निवासी मालवीय चौक, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

ए० फिना मकान नं० 10 व 11, 450 वर्गगज मो० जत्तीवाड़ा शहर मेरठ में स्थित है जो कि 70,000/- रु० में बेचा गया है

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 6-8-1980  
माहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1450-ग/गाजियाबाद/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जी० टी० रोड, में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल्प के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल्प से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल्प का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल्प, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पारानी चड्ढा पत्नी स्व० राजेन्द्र चड्ढा निवासी माडल टाऊन 120 गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अमिया कारपोरेशन इण्डिया प्रा० लि० 19 ब्रिटिश इण्डिया स्ट्रीट कलकत्ता। द्वारा प्रतिनिधि सज्जन कुमार जैन पुत्र श्री धारेलाल जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धायेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ता-अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 1/4 15 पुख्ता स्थित जी० टी० रोड माथका प० कैवी टीक गाजियाबाद में जो कि 112,290 रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

1. मैम निडे सैन्ट्रल जूट मिल कं० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमार निटा गोयल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए०सी०31/रेंज- /कल०/1980-81—यतः

मु. के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक हैऔर जिसकी रं० 107 है तथा जो जयाबिबी लेन वाली,  
हावड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन  
तारीख 28 नवम्बर 1979को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;107 जया बी.बी. लेन, वाली, हावड़ा से 5 काठा 5  
छटाक 22 स्कोयर फुट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का  
डॉड सं० 10096 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।के० सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV कलकत्ताअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—तारीख: 1-8-1980  
मोहर:

प्रारूप आई०डी० एन० एस०—

1 मैसर्स नीड सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि० ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ग(1) के अधीन सूचना

2. श्री अक्षय कुमार गोयल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-VI कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० एसो-32/एक्यू आर०-JV/कल/80-81—यतः मुझे के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 107 है, तथा जो जयाबिबि लेन हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

107, जयाबिबि लेन थाना वाली, जि: हावड़ा में 5 का० 1506.29 स्केयर० फीट० जमीन का सबकुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10095 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, 54, रफी अहमद कदमई रोड कलकत्ता

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० एसी-33/एक्यू०आर०-IV/कल/80-81---यतः  
मुझे के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 107, है तथा जो जया विवि लेन हावड़ा में  
स्थित है और इसी उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 28 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तर के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कपी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता बाट्टी या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधला:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या हरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विलम्ब  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पछोहप्लाखरी के नाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

107, जया विवि लेन, थाना बालि जिला हावड़ा  
में 6 का० 126.25 वर्ग फुट जमीन का सबकुछ जैसे  
1979 का दलिल सं० 10094 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किराई रोड,  
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख: 1-8-1980  
मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी०-34/एक्यू० आर०-IV (कल/80-81—  
यतः मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 107 है तथा जो जया बिबि लेन, हावड़ा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 28 नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
खण्ड में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. कुमारी कमिता अग्रवाल।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

107, जया बिबि लेन, थाना बलि, जि० हावड़ा में 6 का०  
106.18 स्के० फि० जमीन का सुबकुछ जैसे 1979 का वलिल  
सं० 10093 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 54, रफी अहमद किराई रोड कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी-35 क्यू० आर० IV/80-81—अतः मुझे  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
जिसकी सं० 107 है तथा जो जया बिबि लेन बाली,  
हावड़ा में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 28 नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तुः—

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल लि०।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107 जयाबिबि लेन, बाली हावड़ा में 6 कट्टा 10 छटाक  
18 स्केयर फुट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं०  
10092 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV,

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री शंकरानन्द बनर्जी।

(अन्तरक)

2. श्री बाबुल, अपु, तपन साहा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए०सी०-46/एक्यू० आर०-IV/कल/80-81—  
यत मुझे के० सिन्हा

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० दाग सं० 587/2482 है तथा जो थाना  
बरानगर जिला 24-परगना स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कल्लिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 14 नवम्बर 1979

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

राई मोहन बनर्जी रोड थाना बरानगर में 15 का०  
56.21 वर्ग फुट जमीन का सबकुछ जैसे 1979 का दलिल  
सं० 7339 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-IV,

54, रफी अपहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 6-8-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए०सी०-47/एक्यू०-आर० IV/कल/8 0-8 1—यतः

मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो चण्डी चरण बनर्जी लन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कशीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आशासिता बसाक, देखो राम बसाक, जोति कना बसाक।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गायत्री बसाक।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 चण्डी चरण बनर्जी लन, बराहनगर कलकत्ता-35, में 1 काठा 13 छटाक 19 वर्गफुट जमीन का साथ मकान का सबकुछ जैसे 1979 का वलिल सं० 7213 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV,  
54, रफी अहमद क़िदवई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 6-8-1980  
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रज-IV कलकत्ता

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए०सी०-48/एक्यू० आर०- /कल/80-81—

यतः मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग 1083 है तथा जो छोटनीलपुर, बर्धमान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बर्धमान में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धीरेन्द्र नाथ घोष।

(अन्तरक)

2. श्री शांति प्रत घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 1083, छोटनीलपुर, बर्धमान में 10 काठा जमीन पर मकान का सबकुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 7969 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-IV 54, रफी अहमद किराई रोड कलकत्ता

तारीख: 6-8-1980

मोहर:



## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd July 1980

No. A. 12019/1/79-Admn.II.—Shri K. Sundram, Senior P.A., in the Office of the Union Public Service Commission, is hereby appointed to officiate on *ad-hoc* basis as Special Assistant to Chairman on transfer on deputation for the period of three months with effect from 30-6-1980 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri K. Sundram will be on deputation to the *ex-cadre* post of Special Assistant to Chairman and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O. M. No. F. 10 (24). E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
for Chairman  
Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th August 1980

No. A-19021/1/78.Ad.V.—Shri M. Tumsanga IPS (1969-West Bengal) relinquished charge of the office of Supdt. of Police (Asstt. Director), C.B.I., S.P.E. on the forenoon 2 JUNE, 1980. His services were placed back at the disposal of State Government.

Q. L. GROVER,  
Administrative Officer (t)  
Central Bureau of Investigation.

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 5th July 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Visakhapatnam Shri K. L. Luke assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, CPT Cochin w.e.f. the forenoon of 11th July, 1980.

No. E-38013 (3)/9/80-PERS.—On transfer to Durgapur Shri S. L. Prasad relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, FC1 (FSD) Dighaghat w.e.f. the afternoon of 19th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Cochin Shri P. Balakrishnan Pillai assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, FACT, Udyogamandal w.e.f. the afternoon of 9-7-1980 vice Shri KRC Nair, Asstt. Comdt. who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Calcutta Shri V. Louis Raj relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, MAPP Kalpaklam w.e.f. the afternoon of 21st July, 1980.

No. E-38013(3)/8/80-PERS.—On transfer to Rourkela Shri N. K. Sen relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, B.I.L. Bhilai w.e.f. the afternoon of 16th July, 1980.

No. E-31013(3)/1/80-PERS.—On his appointment as Accounts Officer, on *ad-hoc* basis, Shri R. S. Negi assumed the charge of the said post w.e.f. the forenoon of 24th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Farrakka Shri S. B. Chaudhary assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF, FPDII, Sindri w.e.f. the forenoon of 12th July 80.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Tuli (Nagaland) Shri M. S. Bose assumed the charge of the post of Asstt. Comdt (JAO) E.Z. HQrs, Calcutta, w.e.f. the forenoon of 17th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Bhilai Shri H. V. Chaturvedi assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, Trg. Reserve (N&W Zone), CISF, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 16th July 80.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Paradip Shri U. P. Behera relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, A. S. P. Durgapur w.e.f. the afternoon of 12th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Madras Shri A. K. Sengupta relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, A. S. P. Durgapur w.e.f. the afternoon of 15th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Rourkela Shri Y. P. Jogewar, relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, SPM Hoshangabad w.e.f. the afternoon of 14th July, 1980.

The 7th August 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Sindri Shri S. B. Chaudhary relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt F. B. P. Farrakka w.e.f. the afternoon of 2nd July 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Asstt. Inspector General (Pers)  
CISF HQrs.

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 5th August 1980

No. 11/126/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Bholanath Sarma, an Officer belonging to the Assam Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Assam, Gauhati, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 2 July, 1980, Until further orders.

The headquarter of Shri Sarma will be at Gauhati.

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Sarkar, an officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Dy. Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 18 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sarkar will be at Calcutta.

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Ghosh, an Officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 9th July, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Ghosh will be at Howrah.

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Chakraborty, an Officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 11 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Chakraborty will be at Burdwan.

No. 11/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Naresh Chandra Dutta, an officer belonging to the Orissa Administrative Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations,

Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 9 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Dutta will be at Cuttack.

No. 11/53/80-Ad.I.—Consequent on his appointment as Deputy Secretary to Govt. of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, Shri T. V. Srinivasan relinquished charge of the office of the Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, with effect from the forenoon of 18th July, 1980.

2. The President is pleased to appoint Shri T. V. Srinivasan, Deputy Secretary to the Govt. of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, as Deputy Director of Census Operations in an *ex-officio* capacity in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, with effect from the forenoon of 18th July, 1980, until further orders.

3. The headquarters of Shri Srinivasan will be at Madras.

No. 11/53/80-Ad.I.—Consequent on his appointment as Joint Secretary to the Government of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, Shri A. P. Muthuswami relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu with effect from the forenoon of 18th July, 1980.

2. The President is pleased to appoint Shri A. P. Muthuswami, Joint Secretary to the Government of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, as Director of Census Operations, Tamil Nadu, in an *ex-officio* capacity, with effect from the forenoon of 18th July, 1980, until further orders.

3. The headquarters of Shri Muthuswami will be at Madras.

The 6th August 1980

No. 11/56/80-Ad.I.—Consequent on his appointment as Joint Secretary (Census) to the Government of Andhra Pradesh, General Administration Department, Shri S. S. Jaya Rao relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh with effect from the forenoon of 23rd July 1980.

2. The headquarter of Shri Jaya Rao will be at Hyderabad. Rao, Joint Secretary (Census) to the Government of Andhra Pradesh, General Administration Department, as Director of Census Operations, Andhra Pradesh in an *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 23rd July, 1980, until further orders.

2. The Headquarter of Shri Jaya Rao will be at Hyderabad.

No. 11/124/79 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. R. Sood, Deputy Director in the Bureau of Economics & Statistics under the Government of Sikkim, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations Sikkim, Gangtok in an *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 1st April, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Shri Sood will be at Gangtok.

The 8th August 1980

No. P/P(35)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 22nd April, 1980, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri K. N. Pant, Hindi Translator in the Secretariat at Election Commission of India, as Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, upto 31st December, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Pant will be at New Delhi.

No. 11/125/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri L. K. Chaturvedi, an officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, by transfer on deputation with effect from the afternoon of 19 May, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Shri Chaturvedi will be at Udaipur.

3. This issues in supersession of this office notification of even number dated 17 June, 1980.

No. 11/125/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Bhargava, an officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 13 May, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Shri Bhargava will be at Ajmer.

3. This issues in supersession of this office notification of even number dated 27 May, 1980.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

#### (INDIAN AUDIT AND ACCOUNT DEPARTMENT)

#### THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th August 1980

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri S. A. M. Naqui, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I/II Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-80 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri V. N. Venkatasubramanyam Accounts Officer, Office of the Accountant General-I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-5-1980 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri K. S. Subramaniam Accounts Officer, Office of the Accountant General I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-1980 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri V. Krishna Rao Accounts Officer, Office of the Accountant General-I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-1980 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri K. V. N. Avadhani Accounts Officer, Office of the Accountant General-I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-80 AN.

N. SUKUMARAN  
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (II), WEST BENGAL

#### LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-1, the 23rd April 1980

No. I.A./Admn./11.—The conditions precedent to the grant of Pre-forma promotion under "next below rule" below F.R. 31(1) having been fulfilled Shri Tulsi Charan Banerjee, permanent Section Officer of this office, now on deputation to the Govt. of West Bengal, in the Education Department has been granted proforma promotion on *ad-hoc* and provisional basis as an officiating Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-1200 in his parent office w.e.f. 1-4-80 (F.N.) the date his immediate junior Shri Usha Ranjan Thakur took over charge in this office and until further orders.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High-Court case and will be subject to the final decision of the Court Case filed against union of India and others under C.R. case no. 1481(W) of 1979.

The 9th June 1980

No. 1.A.602.—The Accountant General-II, West Bengal has been pleased to appoint on *ad hoc* and provisional basis the following permanent and officiating Section Officers to officiate as Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 9th June 1980 or the date on which they actually take over charge as Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal whichever is later and until further orders :—

- (1) Sri Satyabrata Dutta
- (2) Sri Bibhuti Bhusan Das (I)
- (3) Sri Manmatha Nath Mandal (S/C)

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818(N) of 1979.

All the *ad hoc* promotions indicated above, are also subject to final orders of the Supreme Court of India in the Civil Appeal No. 1584 to 1588(N) of 1973 and Civil Appeal No. 2104-2105(N) of 1979.

B. N. DUTTA CHOWDHURY  
Examiner of Local Accounts,  
West Bengal.

#### MINISTRY OF LABOUR

##### DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE

##### SERVICE & LABOUR INSTITUTE

Bombay-400022, the 8th August 1980

No. 15/22/79-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri N. Ravindranathan, as Productivity Officer (Statistical) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th July, 1980 until further orders.

DR. S. S. RAMASWAMY  
Deputy Director General

#### MINISTRY OF COMMERCE

##### (DEPARTMENT OF COMMERCE)

##### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 2nd August 1980

##### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/873/69-Admn(G)/4817.—Shri M. M. Solanki, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay was permitted to retire voluntarily from Government Service with effect from the 10-6-1980 (F.N.).

P. C. BHATNAGAR  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

##### (DEPARTMENT OF TEXTILES)

##### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 31st July 1980

##### CORRIGENDUM

No. A-32013/2/80-Admn.II(A).—In this Office Notification No. A-32013/2/80-Admn.II(A) dated the 28th June, 1980 the date of appointment of Shri V. Krishnaswamy

Iyengar as Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Madras viz. "forenoon of 7th June, 1980" appearing in second line may be substituted as "afternoon of 7th June, 1980".

The 1st August 1980

No. A-12025(i)/2/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 19th May, 1980 and until further orders Shri Doniparthi Jayaramiah as Senior Lecturer in Textile Designs in the Indian Institute of Handloom Technology, Salem.

N. P. SESHADRI  
Jt. Development Commissioner for Handlooms

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES

##### (DEPARTMENT OF MINES)

##### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 8th August 1980

No. A.19012(128)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. V. Nagaraj, Permanent Senior Technical Assistant (Min. Engg.), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer, a Group 'B' post in this Department, with effect from the forenoon of 10th July, 1980 until further orders.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

#### SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 4th August 1980

No. C-5646/579-A.—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) are confirmed in their appointment with effect from 6th April 1980 :—

1. Shri V. V. Narula.
2. Shri Narayan Punniakotti.
3. Shri Mahendra Singh.
4. Shri Sanwali Sahai.
5. Shri T. R. C. Reddy.
6. Shri C. L. Kanoji.
7. Shri Rawel Singh.
8. Shri J. R. Grover.
9. Shri Pushkar Singh.

The 5th August 1980

No. C-5647/718-A.—Shri M. Raju, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) in South Eastern Circle, Survey of India, Bhubaneswar, on *ad hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26th May 1980 (FN).

No. C-5648/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office (now on deputation as Map Curator) is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officers (GCS Group 'B' post), on *ad hoc* basis, in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 13th June 1980 (AN) *vice* Shri Ram Lal, Establishment and Accounts Officer, proceeded on leave.

K. L. KHOSLA,  
Major General,  
Surveyor General of India.  
(Appointing Authority)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 24th July 1980

No. A-12026/4/77-Est.I.—Shri B. Khosla, Officiating Chief Cameraman in the Films Division, Bombay, has been reverted to his permanent post of Cameraman in the Films Division, Bombay consequent on assumption of charge of the post of Chief Cameraman by Shri M. M. Vaidya, with effect from the forenoon of 14th July, 1980 on his repatriation from deputation to Afghanistan as an Expert Cinematographer under the Indo-Afghan Cultural Exchange Programme 1975-76, from that date.

R. N. SHARMA,  
Assistant Administrative Officer  
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th August 1980

No. A. 12025/23/79/NMEP/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. H. Kanaujia, to the post of Assistant Director (Ent.) National Malaria Eradication Programme, Directorate with effect from the forenoon of 31st March, 1980 on a temporary basis and until further orders.

No. A. 19020/23/76(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Smt. Nirmala Venkateswaran, Senior Occupational Therapist, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the afternoon of the 29th March, 1980.

The 8th August 1980

No. A. 12025/30/76(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. Ramalingam in the post of Lecturer in Statistics and Demography at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 26th March, 1980 in an Officiating capacity and until further orders.

No. 33-12/75/Admn.I.—Consequent on her reversion to the post of Physiotherapist, Smt. S. Mehrotra relinquished charge of the post of Senior Physiotherapist, Safdarjung Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 27th March, 1979.

SANGAT SINGH,  
Deputy Director Administration(E).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

(DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 7th August 1980

No. A. 19025/20/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kamal Chakraborti has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Calcutta with effect from 26-6-80 (FN) until further orders.

B. L. MANIHAR,  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing  
Adviser to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400 001, the 7th August 1980

No. DPS 23/4/79/Est/13348.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Shankar Gopal Jumsandekar, permanent Purchase Assistant of this Directorate to officiate as Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EV-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an *ad hoc* basis in the same Directorate with effect from June 21, 1980 (AN)

to 19-7-1980 (AN) vice Shri D. Y. Shitut granted leave.

C. V. GOPAL AKRISHNAN,  
Assistant Personnel Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 2nd August 1980

No. NFC:PAR:0704:5335.—In continuation of this office Notification No. NFC : PAR:0704:4515 dated 30-6-1980 the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri P. Raja Gopalan, an industrial temporary Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer, on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, from 10-7-1980, to 10-8-80, or until further orders, whichever is earlier.

P. S. R. MURTY,  
Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti, the 4th August 1980

No. RAPS/09002/G/(855)/80/S/110.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is Pleased to accept the resignation of Shri S. NAGARAIAN, a permanent Scientific Assistant (C) and officiating Scientific Officer Engineer Grade-SB with effect from the afternoon of 5th July, 1980.

GOPAL SINGH,  
Administrative Officer (E)  
For Chief Project Engineer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 5th August 1980

No. AMD-8(6)/80-Rectt.—In continuation of this Office Gazette Notification of even number dated May 27, 1980 the Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. N. Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 14-6-1980 to 7-7-1980 (AN) vice Shri Mukund Singh, Assistant Personnel Officer granted extension of leave.

M. S. RAO,  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 8th May 1980

No. TAPS/3/2(4)/80-R.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri N. G. Malkani, temporary Manager (Hostel) in the Tarapur Atomic Power Station, in substantive capacity against the permanent post of Manager (Hostel) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in Tarapur Atomic Power Station with effect from March 1, 1977.

A. D. DESAI,  
Chief Administrative Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 21st July 1980

No. RRC/PF/3357/80-8850.—Shri SAMBASIVAN GURUSWAMI, a permanent Upper Division Clerk of the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh and officiating Junior Accounts Officer of the Office of the Controller of Accounts Ministry of External Affairs is hereby appointed as officiating Assistant Accounts Officer in the Reactor Research Centre, Kalpakkam on deputation with

effect from the forenoon of April 16, 1980 until further orders.

S. PADMANABHAN,  
Administrative Officer  
for Project Director.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th August 1980

No. A. 12025/7/79-ES.—On the recommendations of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri Subhash Chander as Assistant Director of Air Safety (Engg.)/Senior Air Safety Officer (Engg.) in an officiating capacity with effect from 10-7-1980 (F.N.) until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

No. A. 32013/13/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. K. B. Nair, Technical Officer, office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 11-7-80 (FN) and to post him in the same office.

No. A. 39012/2/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri H. K. Dixit, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Gauhati with effect from 9-2-80 (FN).

The 7th August 1980

No. A. 12025/2/79-EC.—The President is pleased to appoint the following two officers as Technical Officers with effect from 22-7-80 (FN) in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, and to post them in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi until further orders

1. Shri A. Vemalingam
2. Shri U. N. Mahalik

No. A. 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. V. Rajan, Communication Assistant, A.C.S., Madras to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc* basis with effect from 25-7-80 (FN) and to post him at the same station.

R. N. DAS,  
Assistant Director of Administration.

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 22nd July 1980

No. 10/80.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' Shri G. C. Singhal, Inspector of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent, Central Excise (Gold), Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 9th July, 1980.

The 7th August 1980

No. 13/80.—Consequent upon the recommendation of U.P.S.C. vide their letter F. No. F.I./2/79-RD, dated 28-9-79 and our Establishment Order No. 68/80 (C. No. II(31)6-Con/79, dated 7-5-80). Shri Jagdish Prasad

Mamgain, has assumed charge as Superintendent, Central Excise, Group 'B' (Paper Technology) Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 30-7-80.

S. K. DHAR,  
Collector.

Nagpur, the 5th August 1980

No. 2/80.—Shri K. C. Agrawal, Assistant Foreman in the Ordnance Equipment Factory, Kanpur having selected and appointed as Superintendent of Central Excise, Group 'B' (Mechanical Engineering) in this Collectorate on the recommendation of the U.P.S.C., has assumed charge of the office of the Superintendent of Central Excise Group 'B' (Mechanical Engineering) in Central Excise Division-II, Nagpur of this Collectorate in the forenoon of the 16th June, 1980.

No. 3/80.—Shri A. K. Patni, Foreman in the Inspectorate of Engineering Equipment (WZ), Bombay having selected and appointed as Superintendent of Central Excise, Group 'B' (Mechanical Engineering) on the recommendation of the U.P.S.C., has assumed charge of the Office of the Superintendent of Central Excise, Group 'B' (Mechanical Engineering) in Central Excise Division-I, Nagpur of this Collectorate in the forenoon of the 20th June, 1980.

K. SANKARARAMAN,  
Collector

#### DIRECTORATE OF PUBLICATIONS CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th August 1980

(CUSTOMS & CENTRAL EXCISE ESTABLISHMENT)

No. 2/80.—Shri P. R. Dastider, Supdt. C. Ex., Gazetted Group 'B' in the Collectorate of Central Excise & Customs, Shillong is appointed to officiate as Inspecting Officer, Gazetted Group 'B' on an *ad hoc* basis in the Directorate of Publications, Customs & Central Excise, at New Delhi w.e.f. 21-6-1980 (FN).

No. 3/80.—Shri S. P. Bahri, Office Superintendent in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi is appointed to officiate as Asstt. Director (Forms & Publ'n) Gazetted group B on *ad hoc* basis in the Directorate of Publications, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from 14-7-1980.

LAJJA RAM,  
Director.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of Bowden Carpet Company Private Limited*

Kanpur, the 7th August 1980

No. 7559/1417-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Bowden Carpet Company Pvt. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

O. P. CHADHA,  
Registrar of Companies, U.P., Kanpur.

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-21/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 218, situated at Sreeram Dhang Road Salkia, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 17-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manisha Chatterjee, 5, Lake View Road, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Dr. D. Prosad, 218, Sreeram Dhang Road, Salkia, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4-Kt. 4-Ch. building situated at 218, Sreeramdhang Road, Howrah, more particularly as per deed No. 3299 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Dated : 8-7-80  
Scal :

## FORM ITNS

(1) Sri Binraj Giria, S/o, Late Mulchand Giria  
Sevak Road, Siliguri, Darjeeling.

(Transferor)

(2) Sri Hanumanmal Giria S/o Sri Binraj Giria  
Sevak Road, Siliguri, Darjeeling.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-22/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 99, situated at Sevak Road, Siliguri, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 26th November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of three storeyed building situated at 99, Sevak Road, Siliguri, Darjeeling, more particularly as per deed No. 5617 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-7-80  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Lakshmi Chatterjee of 11, Short St., Calcutta.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharati Mukherjee, W/o, Sri Ajit Kr. Mukherjee Sagar Sadan, G.T. Road (W), Asansol.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-23/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Asansol and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Asansol on 22-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5-K, 14-Ch. and 35-Sft. situated at Asansol near C.I.T. Office, more particularly as per deed No. 5944 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-7-1980  
Seal :



## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-24/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 351, situated at Sub. Block-I, Bl-B, Kalyani Sub-Divsn. Ranaghat, Nadia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raka Qutzeit,  
Ferdinand niecse strasse,  
78, Freilurg, West Germany.

(Transferor)

(2) Smt. Malina Sarkar  
B-1/351, Kalyani Post Office,  
Kalyani, Dt. Nadia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 cottahs with building situated at plot No. 351, Sub-Block-I, Block-B, Kalyani, Sub-Division, Ranaghat, Dt. Nadia, more particularly as per deed No. 5995 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 8-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. Ac-25/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77, situated at Selimpur Lane, Mouza Selimpur, P.S. Kasba, 24-Pargana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 13-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Narendra Kumar Das  
77, Salimpur Lane, P.S. Kasba, 24-Prgns.  
(Transferors)

(2) Smt. Anjali Majumdar,  
6/5, Central Park,  
Calcutta-32.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-cottahs, 3-chittaks & 10-sq. ft. with building situated at 77, Selimpur Lane, P.S. Kasba, Dt. 24-Parganas, more particularly as per deed No. 6083 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 8-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 30th July 1980

Ref. No. Ac-26/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag Nos. 128, 129, situated at Thana Makua, Sankrail (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Howrah on 16-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ishak Meccawala, Kutul Meccawala, Saifee Meccawala, Hatim Meccawala, Kayed-E-Gohor Meccawala, Taher Meccawala, 2, Brabourne Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Anil Kumar Dutta 36, Gopal Banerjee Lane, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.14-acre situated at Mouza Makua, P.S. Sankrail, Howrah, more particularly as per deed No. 3292 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 30-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA  
Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-36/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, J. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,  
8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

- (2) Smt. Sushila Debi Agarwal 40B, Vivekananda Road, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 kh. 4 ch. 16 sft. with building situated at 40, Joyabibi Road, Ghosury, Howrah, more particularly as per deed No. 10084 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 1-8-80

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8,  
Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Vinod Kumar s/o Sri Bishan Dayal Goyal,  
393, Upper Chitpur Road, Calcutta-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-37/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, situated at Joya Bibi Lane Dt. Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
15-216 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 11 ch. 6sft. situated at 40, Joya Bibi Lane, P. S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10082 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 1-8-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Miss Rosy Goyal d/o Sri Naresh Ch. Goyal 393, Upper Chitpur Road, Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-38/IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 k. 11 ch. 16 sft. situated at 40, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10090 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta,

Date : 1-8-80  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rekha Jain, w/o Sri Naresh Chand Goyal 393, Upper Chitpur Rd., Cal-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-39/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

40, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 4ch. 16 sft. situated at 40, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10081 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Dated : 1-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Miss Sapna Agarwal d/o Sri Birdhi Chand Agarwal 40B, Vivekananda Road, Calcutta-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-40/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I,  
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

107, situated at Joya Bibi Lane Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 5ch. and 22sft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10083 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.Dated : 1-8-1980.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Pinki Jain D/o Sri Subhas Chand Jain, 131, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref] No. AC-41/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107 situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 5ch. and 22sft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10086 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Master Ajit Kumar Jain S/o Sri Subhas Chand Jain 131, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. AC-42/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

107, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8K. 5Ch. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist. Howrah, more particularly as per deed No. 10085 of 1979.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Dated : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Lt., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Nisha Goyal, C/o., Sri Kailash Chand C/o., Sri Kailash Chand Goyal, 40-B, Vivekanand Road, Cal-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref No. AC-43/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107 situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K, 5Ch. & 22-Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10088 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 1-8-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-44/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107, situated at Jaya Bibi Lane Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.
- (2) Miss. Ruby Goyal D/o., Sri Naresh Chand Goyal, 393, Upper Chitpur Rd., Cal-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 5K. 9Ch. 15 Sq. ft. situated at 107 Jaya Bibi Lane, P. S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10089 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-IV  
Calcutta.

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Sanjoy Goyal (Minor)  
S/o., Sri Naresh Chand Goyal 40-B, Vivekananda Road, Cal-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV,

## CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1980

Ref. No. Ac/45/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107 situated at Joya Bibi Lane Bally, Ghushuri, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6K. 10Ch. & 18 Sq. ft. situated at 107 Joya Bibi Lane, Ghushuri, P. S. Bally, Howrah, more particularly as per deed No. 10091 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16-216 GI/80

Date 8-7-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Bhagwati Devi Wd/o Sh. Ram Gopal S/o Shri Mohan Lal R/o New Colony, Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) Shri Hari Parshad Saini S/o Shri Kanwar Sain Saini R/o E-414, Dev Nagar, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. GRC/22/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 100-R, New Colony, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 100-R, New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3310 dated 28-11-79 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 6-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Krishan Kumar S/o Shri Tulsi Dass R/o House No. 72, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) M's. Naurang & Naurang Pvt. Ltd. Bombay through Shri Satyadev S/o Shri Shamu Lal Naurang Managing Director R/o Bombay Hal 7-Gole Market, Model Town, Panipat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/27/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 4 bighas  $1\frac{1}{3}$  bishwa situated at Taral Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Panipat in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas  $1\frac{1}{3}$  bishwa situated at Taral Insar, Panipat and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3402 dated 12-11-79 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Anand Kumar S/o Sh. Tulsi Dass, House No. 72 Model Town Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/28/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Panipat in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Naurang & Naurang Pvt. Ltd. Bombay through Shri Satyadev Naurang S/o Shri Shanu Lal Naurang, Managing Director Bombay Hall 7 Gole Market, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated in Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3403 dated 12-11-79 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 6-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Karam Narain S/o Shri Tusi Dass, Model town, Panipat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Naurang &amp; Naurang Pvt. Ltd. through Shri Satyadev Naurang S/o Sh. Shanu Lal Naurang Bombay Hall, 7-Gole Market, Model Town, Panipat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

## ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/29/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 1/3 bishwa situated at Vill. Taraf Insar, Panipat and more mentioned in the sale deed registered at No. 3404 dated 12-11-79 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 6-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/30/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Insar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chander Parkash S/o Ch. Tulsi Ram Bhatia, House No. 72, Model Town, Panipat.  
(Transferor)
- (2) M's Naurang & Naurang Pvt. Ltd, through Shri Sayadev Naurang S/o Sh. Shanu Lal, Managing Director, Bombay, Gole No-7, Market, Model Town, Panipat.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 1/3 bishwa situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 34/5 dated 12-11-79 with the sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 6-8-1980  
Seal :

## FORM IINS

(1) Shri Vashrambhai Lavjibhai Bhadesia;  
Opp. Avil Engineering Works;  
Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manharlal Maganlal Shah HUF, C/o Haren Bors.  
Opp. Bus Stand, Dhebar Road, Rajkot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

## AHMEDABAD

Ahmedabad-390 009, the 21st April 1980

Ref. No. P.R. No. 998 Acq 23-I 79 80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 382 paiki Plot No. 19 situated at Gondal Road, Opp. P.D.M. College, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building known as "Sweet Home" standing on land admeasuring 390.5 sq. yds. bearing S.No. 382, paiki Plot No. 19, situated on Gondal Road, just near P.D.M. College at Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3993 dated 10-12-79.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
Ahmedabad

Date: 21-4-1980  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Shri Amritlal Bhanulal Kothari; 32, Armeniyan Street, Calcutta-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surendra Ishwarlal Ajmera; C/o. Ajmera Corporation; P.N.B. House, Phirozsha Mehta Road, Bombay-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380009, the 26th June 1980

Ref. No. F.R. No. 10/5 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 55 Plot No. 28A situated at Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 980 sq. yds. bearing S.No. 55, Plot No. 28-A, situated on Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 7186 dated 13-12-79.  
Date : 26-6-1980

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I.

Date : 26-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1066 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 55, Plot No. 28A situated at Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17-216 GI/80

- (1) 1. Paykar Harilal Kothari;  
2. Kirit Harilal Kothari;  
3. Rajesh Harilal Kothari;  
4. Kamalaben Harilal Kothari;  
32, Armeniyan Street, Calcutta-1.

(Transferor)

- (2) Jagrati Chhaganlal Ajmera;  
C/o. Ajmera Corporation;  
P.N.B. House, P.N. Road,  
Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 980 sq. yds. bearing S. No. 55, Plot No. 28-A-4 situated on Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 7187 dated 13-12-1979.

S. N. MANDAL

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 26-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Girdharlal Bhanalal Kothori;  
32, Armenian Street,  
Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th June 1980

(2) Shri Jayant Ishwarlal Ajmera  
C/o Ajmera Corporation;  
P.N.B. House, P.M. Road,  
Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 1067 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Sur. No. 55, Plot No. 28-A situated at Gondal Road, by the  
side of Ravi Cold Storage, Rajkot  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publications of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective person  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 980 sq. yds., bearing  
S. No. 55, plot No. 28-A, situated on Gondal Road, by the  
side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as fully described  
in the sale deed registered vide Regn. No. 7188 dated  
13-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 26-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jayantilal Bhanalal Kothari; 32, Armeniyan Street, Calcutta-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shailesh Bhogilal Ajmera; Opp. Armera Corporation; P.N.B. House, P.M. Road, Bombay-1.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1068 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur. No. 55, Plot No. 28-A-5 situated at Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open plot of land admeasuring 980 sq. yds, bearing S. No. 55, Plot No. 28/A-5 situated on Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as gully described in the sale deed registered vide Regn. No. 7189 dated 13-12-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 26-6-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ashok Traders; Prop. Shri Ashokkumar Chhotalal; Station Road, Keshod.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 19th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1095 Acq. 23/ACQ.I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Super structure on plinth i.e. Raj Cinema Building situated at Keshod Dist. Junagadh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keshod on 14-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Raj Cinema through Partner Shri Polabhai Rajabhai & others : Village : Handda, Tal. Keshod; Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building known as M/s. Raj Cinema, standing on land 1763-5-0 sq. yd. situated at Station Road, Keshod, duly registered by Registering Officer, Keshod vide sale-deed No. 1373/14-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-7-1980.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Madhukantaben Gaurishanker Dave & others,  
Nagindas Mansion, Block No. 14, 4th Floor, Opera  
House, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Sakarchand Mansawalla, Shantikunj  
Colony, No. 2, Nagarsheth's Vando, Gheekanta  
Road, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1096/Acq.23/I/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
F.P. No. 169 paiki TPS. 15, Plot No. 19-B situated at Satya-  
wadi Coop. Housing Society Ltd., Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Ahmedabad on 26-12-1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 672 sq. yds. bearing F.P. No.  
169 paiki—T.P.S. 15—Plot No. 19-B situated at Satyawadi  
Coop. Housing Society Ltd., Wadaj, Ahmedabad, duly regis-  
tered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 14014/  
26-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-7-1980

Seal :

FORM ITNS — —

(1) Shri Rajendra Dwarkadas Thakore; 46, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harisiddh Krupa Coop. Housing Society Ltd., through: Chairman Shri Sankalchand Shantilal Shah, 43, Harisiddh Krupa Coop. Housing Society Ltd., Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 1097 Acq. 23-I/1-1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS. No. 19, F.P. 56, Sub-Plot No. 4 situated at Usmanpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing F.P. No. 56—Sub-plot No. 4, TPS. 19—admeasuring 1279 sq. yds. situated at Usmanpura, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11625/13-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-7-1980

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) M/s. Bhikhabhai Dullabhai Bengali; Sunder Road, Billimora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Chhotalal Lallubhai Mistry &amp; 4 others; Mahadevnagar, Billimora.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1980

Ref. No. P.R. No. 953 Acq.23/7-3/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 441 (Paiki) land Degra village, Mahadevnagar area situated at Near Navjivan Society, Chikhali Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandevi on 5-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot bearing R.S. No. 441 (Paiki) of Degra village, Mahadevnagar area, near Navjivan Society, Chikhali Road, Billimora, duly registered on 5-12-1979 at Gandevi.

S. N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, AhmedabadDate : 18-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1980

Ref. No. P.R. No. 954 Acq. 23/19-8/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNondh No. 3374, Mali Falia, Kazi Medan situated at Wd.  
No. 1, Surat.(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 11-12-1979,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Vasantkumar alias Basantkumar Dhanraj  
Sehani; Confirming Party : Dhanraj Manekchand  
alias Mangamal Sehani, Tower Road, Guj Manzil  
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Kirtilal Popatlal Shah; Raj Apartment No. 3,  
Gopipura, Mali Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property is situated at Nondh No. 3374, Mali Falia, Kazi  
Medan, Gopipura, Surat duly registered on 11-12-1979 with  
registering authority at Surat.

S. N. MANDAL

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 18-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Lalubhai Ranohhodji Patel; Sikare, Taluka—  
Bardoli, Dist. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Jatinbhai Jayantilal Mehta; 54, Sardarnagar  
Society, Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 955 Acq.23-JI/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 7, S. No. 2288 (Paiki) of Ghoddod Rd. TPS. No. 5,  
situated at Athwa, Surat,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 18-12-1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

18—216 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land Plot No. 7, Sur. No. 2288 (Paiki) of  
Ghoddod Road, TPS. No. 5, Athwa, Surat duly registered on  
18-12-1979 at Surat.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-7-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nathabhai Narsibhai Patel; Diwaliben Wd. of  
Chunibhai Narsibhai; Bardoli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I(2) President Shri Thakorbbhai Ranchhodji Naik; Chair-  
man: Shri Bhaskarbbhai Haribhai Fadke; C/o Ankur  
Coop. Housing Society, Bardoli.

(Transferee)

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 956 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Sur. No. 262-6 paiki land situated at Bardoli,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bardoli on 26-12-1979,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);.

## THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 262-6, situated at Bardoli duly  
registered at Bardoli on 26-12-1979.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-7-1980.  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 957 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I

S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 4208 Wd. No. 2, Kala Mehta Sheri situated at Sagrampura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 7-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manantra Shripatrai Vaidya; Sagrampura, Kala Mehta Sheri, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Brijlal Atmaram Rana; Begampura Nana Jivan Sheri, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 4208, Wd. No. 2, Sagrampura, Surat duly registered on 7-12-1979 at Surat.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-7-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 958 Acq. 23-I/Acq.II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under-Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 4238 Wd. No. 2, Kala Mehta Sheri, situated at Sagrampura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 28-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kantilal Balkrishna Sastri; Sagrampura Kala Mehta Sheri At present : Divisional Office, Western Railway, Kothi Compound, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Sudhirkumar Parshottamdas Jarivala; Sidhi Sheri, Salabatpura, at Present : Kala Mehta Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property bearing Nondh No. 4238 Wd. No. 2, Kala Mehta Sheri, Sagrampura, Surat duly registered on 25-12-1979 at Surat.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-7-1980.  
Seal :



## FORM ITNS ———

(1) Shri Mahasukhlal Mohanlal Mehta; 9/1341, Balaji Road, Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohmadbhai Ismail Mulla; (P.A.H. Shri Ismail Ahmed Mulla), Parsivad, Rander, Surat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 959 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 3085-B-C-E., Badekha Chakla, Wd. No. 1 situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 5-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property situated at Badekha Chakla, Near Kwaja Dada Saheb Dargah, Nondh No. 3085-B-C-E, Wd. No. 1, Surat duly registered at Surat on 5-12-1979.

S. N. MANDAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th August 1980

C.R. No. 62/25604/79-80/ACQ|B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 749/1 and RS. No. 101/B1 and door No. 15-13-716-2(8) & 717 situated at Kadri Village, Bendoor Ward, Mangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 713/79-80 on 6-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1917 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri J. Sanjeeva Sulian, S/o Uggappa Poojary, Near Kadri Market, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Nagesh, S/o Koragappa, "Netti House" Maroli, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 713/79-80 dated 6-12-1979)  
Land and property situated at

Sl. No.	TS. No.	RS. No.	Kissam	Extant.	
				A	C
1.	749/1	101/B.1	Dry	0	11
(Western portion out of 0.80 cents of Northern portion)					
2.	749/1	101/B1	Day	0	05
(Southern portion out of 9.80 cents of Northern Portion)					

Item 1 contains a single storied traced building bearing Door No. 15-13-716-2 (2) and 717.

R. THOTHATHRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Sri Simon Sylvester Rasquinha, S/o Bonaventure Rasquinha, "Silalis", Kanapathagu, Kankanady, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) S/Shri M. Sunder Shetty, S/o Chandu Shetty, Managing partner Rainbow Ready wears, (ii) M. Suresh Shetty, S/o M. Sunder Shetty, Partner Kankanady, Mangalore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 5th August 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. CR-62/25605/79-80/Acq.B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. 78-8 and 78-1A2 situated at Kankanady Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 715/79-80 on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 715/79-80 dated 23-11-1979) property bearing

(1) Sy. No. 78-8—Bagayath—0.173

(2) Sy. No. 78-1A2—Nanja—0.04

0.214

Or 870-10 Sq. metres.

Kankanady village, Mangalore.

R. THOTHATHRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore-1.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5-8-1980.  
Seal :

**FORM ITNS**  
**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**  
**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Dr. H. G. Sundarama Reddy, No. 17, Bellary Road, Palace Orchards, Bangalore-6.  
 (Transferor)
- (2) Shri D. A. Srirama Chandra, No. 162/10-B, Ramalyengar Road, V. V. Puram, Bangalore-4.  
 (Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 5th August 1980

C.R. No. 62/25702/79-80/ACQ\B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/02, situated at 9th A Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Doc. No. 3038/79-80 on 13-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 3038/79-80 dated 13-12-1979)  
 Premises No. 27/02, 9th A Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

*Bounded by*

On North : No. 276,  
 On South : Site No. 27/03,  
 On East : Site No. 27/01,  
 On West : IX A Main Road.

R. THOTHATHRI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Dated : 5-8-1980.  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. C. Ubrol S/o Late Guru Piare Ubrol R/o A-2/38, Rajouri Garden, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani W/o Brij Mohan Khanna, Surinder Kumar S/o Brij Mohan Khanna &amp; Bhupinder Kumar S/o Brij Mohan Khanna R/o WZ-8, Meena Kashi Garden, New Delhi &amp; Narinder Kumar S/o Brij Mohan Khanna R/o WZ-40A, Meena Kashi Garden, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July, 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/12-79/6017.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2/38, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1—216 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi Single storey, bearing No. A2/38, Rajouri Garden New Delhi bounded as under :—  
North Property No. A2/37  
South Property No. A2/39  
East Road  
West Property No. A2/41.

MRS. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6042.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/6 situated at Alipur Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. L. N. Gadodia & Sons Ltd. 1112 Kucha Natwa, Chandni Chowk, Delhi-6 through its Director Shri Tej Pal Gadodia.

(Transferor)

- (2) Shri Laxmi Dutt Gupta S/o Lala Jagan Nath & Smt. Sandhya Gupta W/o Laxmi Dutt Gupta R/o 81-A, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 8/6, Alipur Road, Civil Lines, Delhi bounded as under :

On the East—Alipur Road  
On the West—Church Mission School  
On the North—Bungalow No. 10 Alipur Road  
On the South—Bungalow No. 6, Alipur Road.

MRS. S. K. AULAKH

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-

SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-79/6066.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/7 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rukmani S. Mirchandani Wd/o Sital Dass R/o D-6, Nizamuddin West, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Bhim Sain Kumar R/o 3/88, Ramesh Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 4/7, East Patel Nagar, New Delhi with the lease hold rights of the land under the said property, bounded as under :—

North—Road  
South—Service Lane  
East—Lane  
West—H. No. 4/6.

MRS. S. K. AULAKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1980.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) S/Shri Narinder Kumar Verma, Kamal Singh Verma, Mukesh Verma ss/o Har Narain R/o 26-North Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Krishna Wanti W/o Chuni Lal Kumar 10/78, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR11/12-79/3040.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26 situated at North Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House on Plot No. 26, on North Avenue Road, Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State Delhi measuring 550 sq yds bounded as under :

North—House on plot No. 28.  
South—Plot No. 24  
East—Service Lane  
West—Road.

**MRS. S. K. AULAKH**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1980.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri M. L. Khaitan, 176-A, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Raj Rani Kapoor W/o Col. J. C. Kapur, G-9, Maharani Bagh New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/720.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-9, situated at Maharani Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-9, Maharani Bagh New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 2-8-1980

Seal :

(1) Shri Indubhushan Dass Gupta S/o H. H. Dass  
Gupta R/o Godhali Iuda, Kharagpur-721305.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurbax Singh, Mohan Singh, 52/42, Punjabi  
Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRII/12-79/721.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
E-48, situated at Greater Kailash II, New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on December 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-48, measuring 250 sq. yds. in Greater Kailash  
II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Capt. Purushottam Dutt Sharma B-4/32, Safdar-jang, Enclave New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Link Engineers P. Ltd. 503, 701, Sahyog Building, 58, Nehru Place New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/728.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at Village Khanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha 16 biswas with tubewell farmhouse consisting of three rooms, one shed, water tank, duly levelled and fenced with electric motor, electric connection bearing khasra No. 517 situated in village Khanpur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE,

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/748.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

149 situated at 'Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurvinder Singh Khurana R/o E-118 East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Gupta R/o C-454, Greater Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building constructed on it bearing No. 149 Block No. E measuring 251 sq. yds. situated in the Residential Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :—

East : Service Lane  
West : Road  
North : House No. E-151  
South : House No. E-147

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Runa Chatterjee, 31-South Malaka Allahabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sardar Exhibitors (P) Ltd. 1147, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79,782.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
20—216 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Asis Kumar Ganguly F-1134, Chitranjan Park  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Sardar Exhibitors P. Ltd. 1147, Chandni  
Chowk Delhi-6.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR111/12-79/783.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on December 1979,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New  
Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Dated : 2-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Jhoonu Mukherjee 45E/4, 1st Floor, Moore Avenue Tollygunge, Calcutta-53.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Saudar Exhibitors P. Ltd. 1147, Chandni Chowk Delhi-6.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/784.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 2-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri P. K. Ganguly, 2/8, Amar Jyoti Cooperative Housing Society Ltd. Thana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. s Sardar Exhibitor P. Ltd. 1147, Chandni Chowk Delhi-6.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/785.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 2-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri K. K. Ganguly M-78, Greater Kailash Part I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) M/s Sardan Exhibitors P. Ltd., 1147, Chandra Chowk Delhi-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/786.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri A. K. Ganguli, 56, Tollygunge, Circular Road, Calcutta-53.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s Sardar Exhibitors P. Ltd. 1147, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/787.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kanta Dhir, 72, Monalisa, Bomanji Petit Road  
Bombay-400036,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Kuldip Singh, M-161, Greater Kailash II New  
Delhi,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/789.—Whereas 1,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. E-38, situated at Greater Kailash II New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on 19-12-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 38 Block No. E, measuring 250 sq. yds. in the  
residential colony known as Greater Kailash II New Delhi-  
48, bounded as under :—

East : Plot No. E-36  
West : Plot No. E-40  
North : Road  
South : Service Lane

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-8-1980

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Jasvinder Singh S/o Dharam Singh R/o A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ravinder Kumar Jaitli S/o Jagan Nath Shastri & Smt. Amita Jaitli W/o Ravinder Kumar Jaitli both R/o 30-34, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-II/12-79/790.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-126, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Two and a half storeyed building on Plot No. 126, in block C, measuring 300 sq. yds. at Greater Kailash I area of village Jaqutpur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/797.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 3.5 acres with house situated in village Chhattarpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—216GI/80

- (1) Prof. Bishan Sarup Sharma, Krishl Farm, village Chhattarpur, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Roger Overseas P. Ltd., 2, Scindia House, Janpath, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3.5 acres alongwith a house situated in village Chhattarpur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/801.—Whereas, I R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E 540 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jyotsna Rajan W/o Dr. W. C. Rajan 14E, Rin Road, Lajpat Nagar IV New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Raj Kumari, Navin Kumar & Sunil Kumar R/o W-41, Greater Kailash I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-540 measuring 550 sq. yds. Greater Kailash II New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, New Delhi.

Date: 2-8-80  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Kumar Kohli S/o Kundan Lal Kohli C/o B&amp;K Enterprises, Dak Bungalow Road, Patna.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT (43 OF 1961)

(2) Harnam Singh S/o Prem Singh C/o Suresh Virmani, Virmani &amp; Associates E-1, Con. Place New Delhi.

((Transferee))

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/12-79/815.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.248 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential plot No. S-248, Greater Kailash II New Delhi measuring 250 sq. mt. (300 sq. yds.)

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-8-80

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/823.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-195, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. N. Chopra S/o Bajj Nath Chopra R/o 8, Lord Sinha Road Calcutta-16. (Transferor)
- (2) Shri Deepak Ghai S/o Mulkh Raj Ghai C/o M/s Book Corner B-10, Con. Place New Delhi-1. ((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold residential property bearing No. 195 in Block B, measuring 512.5 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash I New Delhi bounded as under:—

East	Road
West	Nallah
North	Plot No. B-193
South	Plot No. B-197

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-8-80  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/824.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, situated at Ring Road, Lajpat Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Banilal Tirathdas Menghani S/o Shri Tirath Dass R/o II-I/47, Lajpat Nagar New Delhi through general attorney A. D. Manghaney S/o Tirath Dass R/o II-I/47, Lajpat Nagar N. Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar & Harish Chander sons of Kesar Dass Arora, 66-Rang Road, Lajpat Nagar III New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property No. 66, measuring 790 sq. yds. Ring Road, Lajpat Nagar New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 2-8-1980  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRJI/12-79/845.—Whereas L. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-J/37 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devki Nandan S/o Kesar Chand Sehgal  
R/o 11-L-37, Lajpat Nagar, New Delhi general  
attorney of Smt. Pushpa Rani.

(Transferor)

(2) Shri Mukhbain Singh S/o Jagat Singh.  
R/o B-173, East of Kailash, New Delhi through  
attorney Baxshish Singh  
R/o B-173, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 11-J-37, Lajpat Nagar New Delhi measuring 100 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 2-8-80  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/CRIII/12-79/1697.—Whereas I, R. B. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-551, situated at New Rajinder Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-12-79, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. C. Mehta S/o Karam Chand Mehta,  
R-551, New Rajinder Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Lal S/o Ram Dass of,  
R-551, New Rajinder Nagar New Delhi & Gurcharan  
Lal S/o Ram Dass of 10071, Nawab Ganj Delhi.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. R-551, New Rajinder Nagar bounded as under :—

East—G.B.P.  
West—Lane  
North—Road  
South—Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 2-8-80

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/813.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 23 bigha 19 biswas situated at Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer New Delhi on 27-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raja Ram alias Rajev and Rattan Lal both sons of Bharta of Village Dera Mandi New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Rajwant Singh Brar S/o Tara Singh Brar R/o 7A, Faridkot House, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land area 23 bighas and 19 biswas, Mustatil No. 43 killa Nos. 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 15 (3-3) and 14/1(1-12), Khata and Khatuni No. 202 situated in village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 12-8-1980

Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/835.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-285, situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nirmal K. Sethi W/o Kewal Krishan Sethi &amp; Mrs. Nirmal S. Sethi W/o Sharvan Sethi, C-285, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Sudesh Thaper W/o G. P. Thaper, A-194, Defence Colony New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single Unit two and a half storeyed house bearing No. C-285, Defence Colony New Delhi built on Plot of land measuring 335.4 sq. meters.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 12-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002  
New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/842.—Whereas I, R. B. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-15 situated at N.D.S.E. Part I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakur Ratan Singh,  
C-27, Raksha Bhavan Man Singh Road, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Dr. Hari Vaishnava & Dr. Mrs. Sarla Vaishnava,  
91, Rabindra Nagar New Delhi-3.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single Storeyed house built on a free hold plot of land bearing No. 15 in Block J measuring 271.2 Sq. Yds. in the residential colony known as New Delhi South Extn. Part I New Delhi situated at village Kolla Muharakpur Delhi bounded as under :—

East—Road  
West—Plot No. J-6 and J-6A  
North—Plot No. J-16  
South—Plot No. J-14

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 12-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Narinder Nath Wadhwan S/o Sohan Lal Washawan R/o 238, Double Storey New Rajinder Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Midula Jain W/o Chiranji Lal Jain, R/o 2-X, Green Park New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SH-III/112-79/1687.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5, Block X, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on plot No. 5, Block X, measuring 200 sq. yds. Green Park New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/820.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. HS-25 Kailash Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ishwar Devi W/o Late Amin Chand Anand  
R/o K-33, Jangpura Extn. New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Kiran Kantawala S/o R. B. Kantawala & Smt. Nalini Kiran Kantawala W/o Sh. K. R. Kantawala  
both R/o A-164, Defence Colony New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property built on shop plot No. 25 in Block HS Kailash Colony New Delhi measuring 167.23 bounded as under :—

East—Foot Path  
West—Service Lane  
North—Plot No. H-26  
South—Plot No. H-24.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 12-8-1980  
Sd :



## FORM ITNS—

(1) Shri Naraindas Tourmal.

(Transferor)

(2) Asmabai wife of Imdadali Abdulhusein Mukadem.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th July 1980

Ref. No. AR-1/4342-18/D-79.—Whereas, I, A. H. TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-12-1979 (Document No. 297/79/Bom) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 297/79/Bom and registered on 27-12-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 29-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 29th July 1980

Ref. No. AR-I/4338-14/D-79.—Whereas, I, A. H. TEJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1444, Ambewadi situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-12-1979 (Document No. 1082/74/Bom) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mohamedhusain Rahimtoola Chinoy  
2. Mrs. Zarina Ebrahim Gulamhussein Urrimbhoy  
3. Rajibhai Mahomed Jamal  
4. Fazal Alimohamed Faselbhoy  
5. Mahomed Alibhoy Bhanji  
6. Mahomed Alibhoy Mahomed  
7. Akbarali Alibhai Premji  
8. Ismail Jafeer Meherally  
9. Mehedi Rajabally Kassam  
10. Yusufali Abdulla Fazalbhoy  
11. Rahim Karim Mistry  
12. Alibhai Javer Madhani, and  
13. Kassamally Guliahussain Doosani  
(Transferor)
- (2) M's Lakhani's (Pvt) Ltd.  
(Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1082/74/Bom and as registered on 29-12-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

A. H. TEJALE.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 29-7-1980  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) The Empire Dyeing & Manufacturing Co. Ltd.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Mohamed Hussein Shakhali Barodawalla  
2. Sultanali Shaikhai Barodawalla  
3. Gamanlal M. Mehta

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

BOMBAY.

Bombay, the 30th July 1980

Ref. No. AR-I/4537-13/Dec.-79.—Whereas I, H. A. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1(C)(pt) Plot No. 3 Cadastral Survey No. 412(pt) situated at Tardeo Divn.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay on 26-12-79 Document No. 3632/73 Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3632/73/Bom and as registered on 26-12-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

Date : 30-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 1st August 1980

Ref. No. AR-III/AP349/80-81.—Whereas I, A. H. TEJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 429 & 430 & 430/1 to 430/11, S. No. 64/1 part, S. No. 64/1 pt 2, S. No. 119/1 & 2 situated at S. V. Road, Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-3-80 Document No. S-1641/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Surendra Mansukh Patel
2. Virendra Mansukh Patel
3. Mahendra Mansukh Patel
4. Narendra Mansukh Patel

(Transferor)

- (2) M/s Alka Construction Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1641/79 and as registered on 3-3-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jaikishandas Balchand Pamnani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Pertuin S. Irani & Mrs. Dolat H. Doongaji  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY.

Bombay, the 1st August 1980

Ref. No. AR-I/4344-2/Jan. 80.—Whereas I, A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 4B/696 of Malabar & Cumballa Hill Divn Tahera Villa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-1-80 Document No. 3032/71 (Bom) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

3-216 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3032/71 Bom and as registered on 9-1-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 1-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Krishna Kumar Gupta s/o Late Shri Lala Badri Pd.  
r/o 246, Krishnapuri, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagjit Singh, Jain s/o Lala Sunder Lal Jain r/o 233/234 Present No. 96/1, Bramhpuri, Meerut.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1531-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Single storeyed House Property, bearing No. 233 & 234, situated at Mohalla : Bramhpuri, Meerut which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1649-A/Hardwar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 21-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Akhara Panchayati Sri Niranjani Mayapur Hardwar through Mahant Roop Giriji and Hardayal Giriji, r/o Akhara, Hardwar.

(Transferor)

(2) Smt. Mohani Devi w/o Shri Basant Singh Varma r/o Mohani Niwas Niranjani Akhara, Hardwar, Distt : Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot measuring 3000 Sq. Fts. situated in Niranjani Akhara, Hardwar, Distt : Dehradun which was sold for Rs. 43,500/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980  
Sent :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1411-A/Roorkee/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 10-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Rajendra Kumar s/o Shri Dayaram  
r/o 30-A, Civil Lines, Roorkee, Distt : Saharanpur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sunaina Ahuja w/o Shri R. C. Ahuja  
r/o 16, Civil Lines, Roorkee, Distt: Saharanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A part of Land measuring 3672 Sq. Fts., situated in Civil Lines, Roorkee, Distt : Saharanpur which was sold for Rs. 47,736/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1462-A/Roorkee/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Roorkee on 31-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dinesh Chandra s/o Shri Khajan Chandra r/o Railway Station Road Maktulpuri, Roorkee, Distt : Saharanpur. (Transferor)
- (2) Smt. Premwati Gupta w/o Shri Prem Chandra Gupta, Purshottam Dass Bansal s/o Late Lala Shobha Ram r/o 48, Civil Lines, Roorkee, Distt : Saharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Ahata bearing No. 39 measuring 2475.50 Sq. Fts., situated in Mohalla : Maktulpuri, Roorkee, Distt : Saharanpur which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 1410-A/Hapur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hapur on 7-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntala Devi w/o Shri Munni Lal Gaur r/o 48, Raghubir Ganj, Hapur Distt : Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) Sardar Surendra Pal Singh s/o Sardar Gundeep Singh, Sardar Jag Singh s/o Sardar Tara Singh and Others r/o 48, Raghubir Ganj, Hapur, Distt : Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Single Storeyed House Property measuring 200 Sq. Yds., situated at 48, Raghubir Ganj, Hapur, Distt : Ghanabad which was sold for Rs. 38,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Aryan Brothers Pvt. Ltd., 1170, Kucha Mahajan, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Gupta and Payan Kumar Gupta s/o Shri Kundan Lal Gupta, Gurdev Gupta and Ashok Kumar Gupta r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1449-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1368.83 Sq. Yds. bearing No. 161, situated at Prakash Industrial Estate, Karkar Mandar, near Giani Border, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

(1) Shri Dalceep Kumar Gupta  
S/o Lala Bhagwat Dayal Gupta  
R/o Bunglow No. 209, West-End Road,  
Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) Sardar Harbans Singh  
S/o Ravel Singh,  
Sardar Bhagwant Singh, Sardar Sumer Singh and  
Sardar Jogendra Singh S/o S. Diwan Singh  
R/o 209, West-End Road, Meerut Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 1412-A/Meerut/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Meerut on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA, of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 209, situated at West-End  
Road, Meerut Cantt, which was sold for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-8-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 1468-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Prakash s/o Late Shri Bramhanand  
R/o Farookh Nagar, Parg. Loni,  
Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Roshan Lal and Suresh Kumar  
Ss/o Lala Triloki Chandra Khandelwal  
R/o Baraut, Distt. Meerut  
Present Address : D-194, Vivek Vihar,  
Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Awastik Plot bearing Nos. 11, 12, 13 and 14 measuring 2400 Sq. Yds., situated at Pasauda, Parg : Loni, Teh. &amp; Distt. Ghaziabad which was sold for Rs. 43,200/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, KanpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24—216 GI/80

Date : 6-8-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Mansendra Gangoli, Rashendra Kumar Gangoli and Shailendra Kumar Gangoli  
R/o 88/545, Prem Nagar, Kanpur. (Transferor)
- (2) Shri Mohd. Ahmed  
R/o 98/56, Bakanganj, Kanpur,  
Shri Abdul Kadir  
R/o 67-A, Sujat Ganj, Kanpur,  
Shri Abdul Majid,  
181/3, Juhi, Kanpur,  
Shri Shamimuddin,  
99/143, Mohalla : Kanghi Mahal and  
Shri Mustaq  
R/o 88/148, Chamanganj, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 88/545, measuring 1437.50 Sq. Yds., situated in Prem Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 150,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Kishan Dass Alias Buddh Prakash  
S/o Lala Raj Kumar  
R/o Moh. Jatti Wara, Meerut City.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE.  
KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

(2) Smt. Har Pyari Devi Memorial Charitable Trust  
(Regd.) Malviya Chowk, Meerut through  
Shri Om Prakash S/o Lala Nyadarmal (Mantri),  
R/o Malviya Chowk, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1551-A/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 24-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A House Property bearing Municipal No. 10 and 11, measuring 450 Sq. Yds., situated at Jatti Wara, Meerut City which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpa Rani Chanda W/o  
Late Shri Rajendra Chadda,  
R/o 128, Model Town, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1450-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Ghaziabad on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) M/s. Amiya Corporation Pvt. Ltd.,  
19, British India Street, Calcutta through  
Shri Sajjan Kumar Jain  
S/o Shri Chhotelal Jain (Representative).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

A Plot of Land measuring 3743 Sq. Yds. situated in  
Arthala, Mohan Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs.  
112,290/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980

Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Nita Goyal (Minor).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. AC-31/Acq-R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107, situated at Jaya Bibi Lane Bally, Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K 5Ch 22 Sq. ft. situated at 107, Jayabibi Lane, Bally, Howrah more particularly as per Deed No. 10096 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-32/Acq.R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107, situated Joya Bibi Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,  
8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Master Akshay Kumar Goyal,  
S/o Sri Naresh Chandra Goyal,  
393, Upper Chitpur Road,  
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K. 15Ch. 29 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist Howrah more particularly as per Deed No. 10095 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-33/Acq.R-IV/Cal/80-71.—Whereas, I,  
K. SINHA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107, situated at Joya Bibi Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,  
8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferee)

(2) Master Krishna Kumar Agarwalla,  
393, Upper Chitpur Road,  
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6K 15Ch 25 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist Howrah more particularly as per Deed No. 1004 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Kavita Agarwal (Minor).  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-34 Acq.R-IV/Cal/80-71.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

107, situated Joya Bibi Lane, Bally Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6K 10Ch 18 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist. Howrah more particularly as per Deed No. 10093 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-8-1980  
Seal :

**FORM ITN****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-35/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- 107, situated Joya Bibi Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—216 GI/80

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,  
8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Master Rajesh Jain  
S/o Sri Subhas Chandra Jain,  
131, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 6K. 16Ch 18 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bolly, Dist. Howrah more particularly as per Deed No. 10092 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-8-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sankarananda Banerjee.

(Transferor)

(2) Babul Saha, Apu Saha, Tapan Saha.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1980

Ref. No. AC-46/Acq.R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 587/2482, situated at P.S. Baranagore, 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore on 14-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 15K. 5Ch. 21 Sq. ft. with building situated at Rai Mohan Banerjee Aoad, P.S. Barahanagore, Dist. 24- Parganas more particularly as per Deed No. 7339 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 6-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Ashalata Basak,  
Sri Dukshi Ram Basak and  
Smt. Joti Kana Basak,  
12, Chandi Charan Banerjee Lane,  
Calcutta-35.

(Transferor)

(2) Smt. Gaitri Sarkar,  
12, Chandi Charan Banerjee Lane,  
Calcutta-35.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1980

Ref. No. AC-47/Acq.R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I,  
K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
12, situated at Chandi Charan Banerjee Lane, Calcutta-35  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Cossipur on 7-11-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1Kh. 13Ch.  
19 Sq. ft. with building situated at 12 Chandi Charan Baner-  
jee Lane, Barahanagar, Calcutta-35 more particularly as per  
Deed No. 7213 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 6-8-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1980

Ref. No. AC-48/R-IV/Cal/Acq/80-81.—Whereas, I,

K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag 1083, situated at Chotonilpur Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Burdwan on 5-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Dharendra Nath Ghosh,  
Chotonilpur, Burdwan.

(Transferor)

(2) Sri Santibrata Ghosh,  
Chotonilpur, Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10Kb along with building situated at Chotonilpur, near Vivekananda College, Burdwan, more particularly as per Deed No. 7969 of 1979.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 6-8-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006

MADRAS-600 006, the 26th July 1980

Ref. No. 21/DEC/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 79/1C situated at Salem Road, Kailasampalayampatti, Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Tiruchengode (Doc. No. 200479) on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Amirthalingam, S/o Shri Kasi Chettiar, No. 5/4, S.V.A. Extension No. 3, Tiruchengode.  
(Transferor)
- (2) Shri A. Periasamy, S/o Shri Arasu Chettiar, S.V.A. Extension, Tiruchengode.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 2004/79 S.R.O. Tiruchengode.

Land & Rice Mill Buildings in S. No. 79/1C, Salem Road, Kailasampalayampatti, Tiruchengode.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 17-7-80

Seal :

2 OCT 1981

